E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -163 | प्रयागराज, मंगलवार 16 सितम्बर, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

सुप्रीम कोर्ट का वक्फ कानून पर रोक को नाकारा,3 से ज्यादा गैर मुस्लिम सदस्य नहीं होंगे,वक्फ के लिए 5 साल इस्लाम का अनुयायी होने पर रोक

नयी दिल्ली। वक्फ कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अंतरिम फैसला सुनाया। कोर्ट ने पूरे कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कहा कि कानून पर केवल दुर्लभतम मामलों में ही रोक लगाई जा सकती है। हालांकि, कुछ धाराओं पर रोक लगाई है। फैसले की अहम बिंदु- बोर्ड के कुल 11 सदस्यों में से 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं होंगे। राज्यों के बोर्ड में 3 से ज्यादा गैर मुस्लिम सदस्य नहीं होंगे। कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के उस प्रावधान पर रोक लगा दी है जिसके अनुसार वक्फ बनाने के लिए किसी व्यक्ति को 5 वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना जरूरी था। यह प्रावधान तब तक के लिए स्थगित रहेगा जब तक राज्य सरकारें यह निर्धारित करने के लिए नियम नहीं बना लेतीं कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं। कोर्ट ने वक्फ संशोधन अधिनियम के उस प्रावधान पर रोक लगा दी है, जिसके तहत सरकार की तरफ से निर्धारित अधिकारी को यह तय करने का अधिकार दिया गया था कि वक्फ संपत्ति ने सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण किया है या नहीं। इससे पहले 22 मई को लगातार तीन दिन की सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। पिछली सुनवाई में याचिकाकर्ताओं ने कानून को मुसलमानों के अधिकारों के खिलाफ बताया और अंतरिम रोक लगाने की मांग की थी। वहीं, केंद्र सरकार ने कानून के पक्ष में दलीलें रखी थीं। बहस सरकार की उस दलील के आसपास रही थी, जिसमें कहा गया था कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए यह मौलिक अधिकार नहीं है। वक्फ

को इस्लाम से अलग एक परोपकारी दान के रूप में देखा जाए या इसे धर्म का अभिन्न हिस्सा माना जाए। इस पर याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने कहा था, ' परलोक के लिए.... वक्फ ईश्वर को समर्पण है। अन्य धर्मों के विपरीत, वक्फ ईश्वर के लिए दान है। 'सीजेआई बीआर गवई ने कहा था, धार्मिक दान केवल इस्लाम तक सीमित नहीं है। हिंदू धर्म में भी 'मोक्ष' की अवधारणा है। दान अन्य धर्मों का भी मूल सिद्धांत है। तभी जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने भी सहमति जताते हुए कहा, 'ईसाई धर्म में भी स्वर्ग की चाह होती है।' वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई की। इसमें एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल थी। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने सुनवाई की। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता और याचिकाकर्ताओं की तरफ से कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और राजीव धवन पैरवी कर रहे थे। लगातार 3 दिन चली सुनवाई में यह हुआ- 22 मई: एसजी तुषार मेहता ने सेक्शन 3ई का जिक्र किया था: केंद्र की ओर से एसजी तुषार मेहता ने सेक्शन 3ई पर बात की थी। कहा था कि सेक्शन 3ई अनुसूचित क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली भूमि पर वक्फ के निर्माण पर रोक लगाता है। यह प्रोविजन अनुसूचित जनजाति के संरक्षण के लिए था। वहीं, कपिल सिब्बल ने कहा था कि नए कानून में ऐतिहासिक और संवैधानिक सिद्धांतों को दरकिनार कर दिया गया है। सरकार गैर-न्यायिक प्रक्रिया से वक्फ को हथियाना चाहती है। 20 मई: कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष से कहा- राहत के लिए मजबूत दलीलें लाइए: 20 की सुनवाई में बेंच ने कहा था कि मुस्लिम पक्ष को अंतरिम राहत पाने के लिए मामले को मजबूत और दलीलों को स्पष्ट करना चाहिए। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कोई संपत्ति आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के संरक्षण में है तो वह वक्फ संपत्ति नहीं हो सकती। 21 मई: सुप्रीम कोर्ट ने दूसरे दिन केंद्र सरकार की दलीलें सुनीं: दूसरे दिन की सुनवाई में सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने केंद्र सरकार की ओर से सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें दीं। उन्होंने कहा, वक्फ बाय यूजर मौलिक अधिकार नहीं। यह विधायी नीति द्वारा 1954 में दिया गया था। संविधान के तहत इसे वापस लिया जा सकता है। सरकार ने यह अधिकार वापस ले लिया। केंद्र ने वक्फ (संशोधन) बिल, 2025 को अप्रैल में अधिसूचित किया था। इसे 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई थी। इस बिल को लोकसभा ने 288 सदस्यों के समर्थन से पारित किया, जबकि 232 सांसद इसके खिलाफ थे। नए कानून को लेकर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, घ्छ्घ्ट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, आप विधायक अमानतुल्लाह खान, सिविल राइट्स संगठन एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स और जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी अलग-अलग याचिका लगा चुके हैं।

ट्रम्प ने भारतीय व्यक्ति की हत्या की निंदा की,कहा- नरमी का समय खत्म,अब सजा मिलेगी,पत्नी-बेटे के सामने सिर काटा था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार

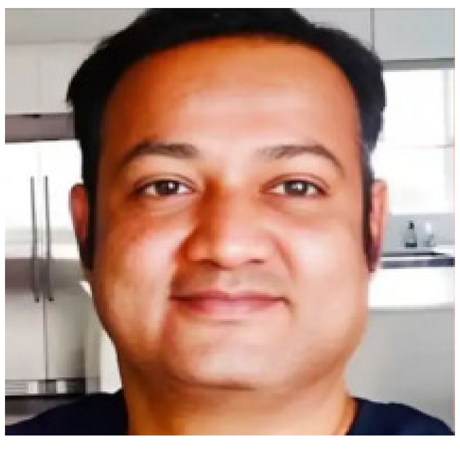

को भारतीय मूल के चंद्रा नागमलैया की हत्या की निंदा की। उन्होंने इसे भयानक बताया। ट्रम्प ने अपने ट्रूथ सोशल पोस्ट में लिखा- 'चंद्रा नागमल्लैया डलास के रहने वाले थे। उनकी पत्नी और बेटे के सामने, क्यूबा के अवैध अप्रवासी ने बेरहमी से उनका सिर कलम कर दिया। हमारे देश में ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था।' ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पहले भी बाल यौन शोषण, कार चोरी जैसे अपराधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि बाइडेन प्रशासन ने इस अपराधी को रिहा कर दिया था और क्यूबा ने उसे वापस लेने से भी इनकार कर दिया था। दरअसल, टेक्सास के डलास में 10 सितंबर को भारतीय मूल के नागमलैया की हत्या कर दी गई थी। ट्रम्प ने कहा, 'अवैध अप्रवासी अपराधियों के प्रति नरमी का समय अब खत्म हो गया है, अब सजा दी जाएगी।' ट्रम्प ने लिखा, 'निश्चिंत रहें, यह अपराधी हमारी हिरासत में है। उसे प्रथम डिग्री हत्या (सोची-समझी साजिश) का दोषी ठहराया जाएगा। उसे कड़ी सजा मिलेगी' ट्रम्प ने अपनी टीम की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम, अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी और

बॉर्डर जार टॉम होमैन अमेरिका को फिर से सुरक्षित बनाने का काम कर रहे हैं।' 10 सितंबर को भारतीय मूल के नागमलैया की अपने सहकर्मी, 37 साल के योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज के साथ टूटी हुई वॉशिंग मशीन को लेकर विवाद हो गया था।

नागमल्लैया ने मार्टिनेज को मशीन इस्तेमाल नहीं करने के लिए कहा। थोड़ी देर में बहस काफी बढ़ गई, और मार्टिनेज ने चंद्रमौली पर कई बार चाकू से हमला किया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। इसमें चंद्रमौली पार्किंग लॉट में मदद के लिए चिल्लाते हुए भागे, लेकिन योर्डानिस ने उनका पीछा किया और माचेटे (चौड़ा और भारी ब्लेड वाला चाकू) से हमला किया। चंद्रमौली की पत्नी और बेटे, जो मोटल के फ्रंट ऑफिस में थे, बाहर आए और रोकने की कोशिश की, लेकिन योर्डानिस ने उन्हें धक्का दे दिया। इसके बाद उसने चंद्रमौली का सिर काट दिया, फिर उसे दो बार लात मारते हुए और बाद में कूड़ेदान में फेंकता दिखा था। पुलिस ने उसी दिन मार्टिनेज को हिरासत में लिया था। पुलिस ने कोबोस-मार्टिनेज के पास से खून से सनी एक टी-शर्ट, एक चाकू, नागमलैया का फोन और एक की-कार्ड बरामद किया था। उसने हत्या की बात कबूल कर ली थी। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड- पुलिस ने बताया था कि कोबोस-मार्टिनेज का हिंसक आपराधिक रिकॉर्ड मिला। उसे पहले कैलिफोर्निया में दोषी ठहराया गया था और इससे पहले फ्लोरिडा और ह्यूस्टन में भी गिरफ्तार किया जा चुका था। अब ट्रम्प के बयान के बाद इसकी पुष्टि हो गई है।ह्यूस्टन स्थित भारतीय उच्चायोग ने नागमलैया की मौत पर शोक जताया था। दूतावास ने एक्स पर एक बयान में कहा, 'हम परिवार के संपर्क में हैं और हरसंभव सहायता कर रहे हैं। आरोपी डलास पुलिस की हिरासत में है। हम मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।'

वित्त मंत्रालय के अधिकारी को बीएमडब्लू ने मारी टक्कर-मौत,पत्नी के साथ बाइक से जा रहे थे, कार महिला चला रही थी

नयी दिल्ली। दिल्ली में छावनी मेट्रो स्टेशन के पास बीएमडब्लू

कार की टक्कर में वित्त मंत्रालय के अधिकारी की मौत हो गई। अधिकारी की पहचान वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह के रूप में हुई है। नवजोत अपनी पत्नी के साथ बाइक से जा रहे थे। तभी कार ने पीछे से टक्कर मार दी। कार सवार महिला ने नवजोत और उनकी पत्नी को अस्पताल पहुंचाया। जहां नवजोत की मौत हो गई, पत्नी की गंभीर हालत है। सूत्रों के अनुसार, नवजोत और उनकी पत्नी को पास के किसी अस्पताल में भर्ती कराने के बजाय, दुर्घटनास्थल से लगभग 17 किलोमीटर दूर जीटीबी नगर स्थित न्यूलाइफ अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक, एक्सीडेंट के बाद बीएमडब्लू कार और मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। कार चला रही महिला और उसका पति भी घायल हुआ है। दोनों अस्पताल में एडमिट हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

जीएसटी-2.0 से राहत, लेकिन 63फीसदी लोग महंगाई से परेशान,7फीसदी लोगों को मासिक खर्च उठाने में दिक्कत

नयी दिल्ली। 22 सितंबर से लागू हो रहीं गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की नई दरों से भारत में आम परिवारों के बजट पर सकारात्मक असर पड़ेगा। पीडब्ल्यूसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी में बदलाव से रोजमर्रा के सामान सस्ते हो जाएंगे जिससे खर्च को संभालना आसान हो जाएगा। लेकिन रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश में 63 प्रतिशत ग्राहक बढ़ती महंगाई से परेशान हैं। वहीं करीब 7फीसदी लोगों को अपना रोजाना खर्च उठाने में परेशानी हो रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 63 प्रतिशत ग्राहक बढ़ती खाने की कीमतों को लेकर चिंतित हैं। इस महंगाई से निपटने के लिए लोग अपनी आदतों में बदलाव कर रहे हैं। सर्वे में शामिल 44 प्रतिशत लोग अब बल्क में सामान खरीद रहे हैं, जबकि इतने ही लोग अपने घर में ही सब्जियां या खाने-पीने की चीजें उगा रहे हैं। खाने की कीमतों को लेकर परेशान लगभग आधे लोग अपनी खरीददारी के तरीकों को बदल रहे हैं। वे अब अलग-अलग दुकानों पर जा रहे हैं, डिस्काउंट स्टोर खोज रहे हैं या फिर ऑफर्स और कूपन का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि उनका बजट न बिगड़े। सर्वे में यह भी पता चला है कि 32 प्रतिशत ग्राहक खुद को 'आर्थिक रूप से स्थिर' मानते

हैं, जबकि 7 प्रतिशत ने कहा कि उनकी वित्तीय हालत ठीक नहीं है और उन्हें बिल चुकाने में दिक्कत हो रही है। जीएसटी से मिली राहत उन परिवारों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, जो सब्जियों की कीमतों और खाने की महंगाई से परेशान थे। जीएसटी के नए नियमों से मिलने वाली बचत इन परिवारों को थोड़ी राहत देगी और उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर करने में मदद करेगी। 22 सितंबर से जीएसटी के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5फीसदी और 18फीसदी होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। जीएसटी काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। इन बदलावों से आम आदमी को क्या फायदा होगा? ये बदलाव आपकी जेब पर बोझ कम करेंगे। रोज के सामान, खाना की चीजें और छोटी गाड़ियां सस्ती हो जाएंगी। व्यक्तिगत, परिवार, और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य बीमा पर 18फीसदी टैक्स हट गया है। इससे बीमा लेना सस्ता होगा और ज़्यादा लोग इसे ले सकेंगे। सीमेंट पर टैक्स 28फीसदी से 18फीसदी हुआ, तो घर बनाने या मरम्मत का खर्च थोड़ा कम होगा। टीवी, एयर कंडीशनर जैसे सामान भी 28फीसदी से 18फीसदी टैक्स में आएंगे, यानी ये भी सस्ते होंगे। 33 जरूरी दवाइयां, खासकर कैंसर और गंभीर बीमारियों की दवाएं अब टैक्स-फ्री होंगी। छोटी कारें और 350सीसी तक की मोटरसाइकिलें अब 28फीसदी की जगह 18फीसदी टैक्स में आएंगी। ऑटो पार्ट्स और थ्री-व्हीलर पर भी टैक्स 28फीसदी से 18फीसदी हुआ, जिससे ये सस्ते होंगे।

यूपीआई से अब रोज रु10 लाख तक खरीदारी कर सकेंगे,रु6 लाख की ज्वेलरी खरीद पाएंगे,पहले ग्राहक-व्यापारी के बीच डेली लिमिट रु2 लाख थी

नयी दिल्ली। यूपीआई यूजर्स 15 सितंबर से एक दिन में 10 लाख रुपए तक भुगतान कर सकेंगे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने पर्सन-टू-मर्चेंट पेमेंट की कई कैटेगरी में डेली लिमिट 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दी है। इस फैसले से बीमा, निवेश और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसे बड़े लेन-देन भी यूपीआई के जरिए किए जा सकेंगे। मामले को समझेंगे सवाल-जवाब के माध्यम से- सवाल 1: क्या सभी तरह के यूपीआई पेमेंट की लिमिट बढ़ी है? जवाब:- नहीं, सभी तरह के यूपीआई पेमेंट की लिमिट नहीं बढ़ी है। यह बदलाव केवल कुछ खास कैटेगरी में पर्सन-टू-मर्चेंट लेनदेन के लिए किया गया है। पर्सन-टू-पर्सन लेनदेन की लिमिट पहले की तरह 1 लाख रुपए ही रहेगी। सवाल 2:-पर्सन-टू-मर्चेंट पेमेंट क्या होता है? जवाब:- पी2एम का मतलब 'पर्सन-टू-मर्चेंट' होता है, जिसमें एक व्यक्ति किसी दुकान, सर्विस प्रोवाइडर या किसी भी व्यापारी को सीधे भुगतान करता है। यह आमतौर पर क्यूआर कोड स्कैन करके या मर्चेंट की यूपीआई आईडी पर पेमेंट करके किया जाता है। सवाल 3:- पी 2पी और पी 2एम में क्या अंतर है? जवाब: पी2पी यानी 'पर्सन-टू-पर्सन' पेमेंट, जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को सीधे पैसे भेजता है। इसकी मौजूदा सीमा 1 लाख रुपए है, जिसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, पी2एम में व्यक्ति किसी व्यापारी को भुगतान करता है, जिसकी सीमा अब 10 लाख रुपए हो गई है। सवाल 4:-

किन-किन कैटेगरी में बढ़ी है लिमिट? जवाब:-ट्रैवल बुकिंग: यात्रा से जुड़ी बुकिंग के लिए अब आप यूपीआई के जरिए एक बार में 5 लाख रुपए तक का पेमेंट कर सकते हैं। चौबीस घंटे में आप ऐसे कुल 10 लाख रुपए तक का लेनदेन कर पाएंगे। इसका मतलब है कि फ्लाइट और ट्रेन की 10 लाख रुपए की टिकट पेमेंट यूपीआई से कर सकेंगे। ज्वेलरी खरीद:- अब आप ज्वेलरी खरीदने के लिए प्रति ट्रांजैक्शन 2 लाख रुपए तक और 24 घंटे में कुल 6 लाख रुपए तक का भुगतान कर सकते हैं। लोन रीपेमेंट:- लोन चुकाने जैसे कलेक्शन के लिए प्रति ट्रांजैक्शन 5 लाख रुपए और 24 घंटे में कुल 10 लाख रुपए की लिमिट होगी। कैपिटल मार्केट:- शेयर मार्केट या म्यूचुअल फंड जैसी कैपिटल मार्केट निवेशों के लिए आप एक बार में रु5 लाख तक भेज सकते हैं और पूरे दिन में रु10 लाख तक। इंश्योरेंस:- बीमा प्रीमियम भरने के लिए प्रति ट्रांजैक्शन 5 लाख रुपए और 24 घंटे में कुल 10 लाख रुपए की लिमिट होगी। क्रेडिट कार्ड भुगतान:- क्रेडिट कार्ड का बिल भरने के लिए प्रति ट्रांजैक्शन 5 लाख रुपए और 24 घंटे में कुल 6 लाख रुपए तक का भुगतान किया जा सकता है। डिजिटल अकाउंट ओपनिंग:- इन खातों में शुरुआती फंड जमा करने के लिए प्रति ट्रांजैक्शन 5 लाख रुपए की लिमिट तय की गई है।सवाल 5:- इन बदलावों से यूपीआई यूजर्स को क्या फायदा होगा? जवाब:- इस फैसले से उन ग्राहकों को सीधा फायदा होगा, जिन्हें अब तक बीमा प्रीमियम, म्यूचुअल फंड, या क्रेडिट कार्ड बिल जैसे बड़े भुगतान करने में दिक्कत आती थी।अब वे इन भुगतानों को यूपीआई के जरिए आसानी से कर पाएंगे। इसके अलावा, रियल एस्टेट या अन्य बड़े लेन-देन भी इस माध्यम से संभव होंगे।

राज्यपाल छात्रों से बोलीं- चुनौतियां आएंगी, डरना नहीं हैं, प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय मंत्री ने कहा- अब बेटियों में देश चलाने का जज्बा

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- आने वाला 25 साल

आपका है। हम तो बस 4-6 साल इस स्थिति में रहेंगे। आपके सामने चुनौतियां आएंगी, इससे डरना नहीं है। लक्ष्य एक ही होना चाहिए, उसे प्राप्त करना। आपको कुछ करना है, देश को आगे लाना है। राज्यपाल ने प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा- जब मैं 1998 में शिक्षा मंत्री बनी, तब पता चला कि आखिर चल क्या रहा है। शिक्षक 'हमारी मांगे पूरी करो' के नारे लगाते थे। हमने एस्मा लगाया कि आपको स्कूल में जाना ही होगा और हड़ताल खत्म करो। लोग कहते थे कि इस तरह से न करिए, वरना दोबारा चुनकर नहीं आएंगी, लेकिन हमने नहीं सुना। 18 दिन तक जो लोग हड़ताल में शामिल थे, 27 साल बाद भी उनको वेतन नहीं मिला। वहीं, राज्यमंत्री उच्च शिक्षा रजनी तिवारी ने कहा- आज जब डिग्रियां दी जा रही हैं, तो यहां 64फीसदी महिलाएं हैं। अब बेटियों की सामर्थ्य सिर्फ चूल्हा-चौका तक नहीं, बल्कि देश की दिशा और दशा बदलने की सामर्थ्य रखती हैं। प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत बनाने की बात कही, जिसमें युवाओं की भूमिका अहम होगी। जब हमारी नींव मजबूत होगी, तभी हमारी इमारत भी मजबूत होगी। दीक्षांत समारोह में स्नातक और परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक पाने वाले कुल 187 छात्रों को राज्यपाल के हाथों मेडल दिया गया। इनमें 55 को गोल्ड, 65 को सिल्वर और 67 को ब्रॉन्ज मेडल मिला। इनमें 67.71फीसदी छात्राएं और 32.29फीसदी छात्र शामिल हैं। हालांकि, जाम की वजह से 50 से ज्यादा छात्र तय समय से देरी से पहुंचे। इस पर वे राज्यपाल के हाथों मेडल पाने से वंचित रह गए। बाद में इन छात्रों को यूनिवर्सिटी प्रशासन से मेडल दिया गया।

प्रतियोगी छात्र की मौत-28 वर्षीय युवक को रात से था सीने में दर्द, सुबह कमरे में मिला शव

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र में एक प्रतियोगी छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान सिद्धार्थनगर के इटौवा बैरवा गांव निवासी 28 वर्षीय कर्मेंद्र लाल श्रीवास्तव के रूप में हुई है। कर्मेंद्र बीबीएस कॉलेज के पास किराये के मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। वह बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाता था। शनिवार को ट्यूशन के दौरान उसने बच्चों और मकान मालिक को सीने में दर्द की शिकायत की थी। शनिवार रात से कर्मेंद्र ने परिजनों के फोन उठाना बंद कर दिया। रविवार सुबह भी जब कोई जवाब नहीं मिला, तो परिजनों ने उसके एक दोस्त को सूचित किया। दोस्त ने कमरे में जाकर देखा तो कर्मेंद्र का शव पड़ा हुआ था। शिवकुटी

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जांच में पुलिस को हृदय गति रुकने से मौत की आशंका है। कमरे से कोई संदिग्ध वस्तु या सुसाइड नोट नहीं मिला है। मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। इस घटना से प्रतियोगी छात्र समुदाय में शोक की लहर है। परिजन पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

संगमनगरी में जोरदार बारिश से तपिश हुई कम,मौसम विभाग का अनुमान-अगले कुछ दिनों तक रुक-रुक कर होगी बारिश

प्रयागराज। संगमनगरी में सोमवार दोपहर बाद मौसम अचानक बदल गया। आसमान

में घने बादल छाए और कुछ ही देर में झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी से लोगों को काफी राहत मिली है। सुबह की तेज धूप के बाद हुई बारिश से मौसम ठंडा हो गया है। ?मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है, जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है। इस बारिश को किसानों के लिए भी काफी फायदेमंद माना जा रहा है। खासकर उन फसलों के लिए जिन्हें पानी की जरूरत है। हालाँकि शहर के कुछ निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी देखी गई। जिससे ट्रैफिक की गति धीमी हो गई। ?बारिश शुरू होते ही सड़कों पर चहल-पहल कम हो गई। लोग दुकानों के शेल्टर और पेड़ों के नीचे रुककर बारिश का लुत्फ उठाते नजर आए। बच्चों में भी काफी खुशी देखी गई। जो बारिश में भीगते हुए अपने घरों की ओर जा रहे थे। शहर के कई इलाकों में ज्यादा बारिश से जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली। गंगापार के क्षेत्रों में गरज के साथ हुई तेज बरसात के चलते घरों में बिजली गुल होने के साथ ही गलियों में पानी भर गया।

स्वर्गीय राकेश कुमार वर्मा नूतन स्मृति सम्मान के लिए आवेदन प्रारंभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। हिंदी दिवस के अवसर एवं पत्रकारिता की विशिष्ट विधाओं को समाज तक पहुँचाने का कार्य

पर यमुनापार क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकार एवं सुविख्यात पत्रकार स्वर्गीय राकेश कुमार वर्मा 'नूतन' जी की स्मृति में दिए जाने वाले सम्मान हेतु इस वर्ष भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस सम्मान की शुरुआत पिछले वर्ष की गई थी। अर्ज है पब्लिकेशन की निदेशक श्लोक रंजन श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि नब्बे के दशक में साहित्य और पत्रकारिता को नई दिशा देने वाले वर्मा जी की लेखनी, ऊर्जा, प्रखर चिंतन और रचनात्मक योगदान को ध्यान में रखते हुए यह सम्मान स्थापित किया गया है। यह सम्मान उन पत्रकारों और साहित्यकारों को प्रदान किया जाएगा, जो उनकी तरह साहित्य कर रहे हैं। निर्धारित पात्रता के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर चयन समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा। यमुना पार कलाकार संघ के अध्यक्ष प्रियांशु श्रीवास्तव ने बताया कि स्वर्गीय वर्मा जी की कृति 'कालचक्र : एक प्रारब्ध' देशभर की 19 विश्वविद्यालयों और विभिन्न राष्ट्रीय संग्रहालयों में शोध और अध्ययन हेतु उपयोगी सिद्ध हुई है। उनकी लेखनी पर कई विश्वविद्यालयों में शोध कार्य भी चल रहा है। ऐसे प्रखर और ऊर्जावान साहित्यकार की स्मृति में यह सम्मान पुनः इस वर्ष प्रदान किया जाएगा। यमुना पार कलाकार संघ कार्यालय में आयोजित बैठक में इस संबंध में घोषणा की गई।

पैथोलॉजी संचालक पर ब्लैकमेलिंग और शारीरिक शोषण का आरोप, मुकदमा दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/झूंसी। किया और उसका अश्लील वीडियो व फोटो अपने पास

झूंसी थाना क्षेत्र में ब्लैकमेलिंग, शारीरिक शोषण के एक गंभीर मामले में पैथोलॉजी संचालक विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुरुषोत्तम पैथोलॉजी, अनवर मार्केट, झूंसी के डायरेक्टर के रूप में कार्यरत रहते हुए एक महिला को बहला-फुसलाकर शारीरिक संबंध बनाने, अश्लील वीडियो और फोटो रखने, वेतन न देने और ब्लैकमेलिंग करने का गंभीर आरोप लगा है। शिकायतकर्ता महिला ने तहरीर देकर बताया कि विनोद मिश्रा ने उसे बहला-फुसलाकर शारीरिक शोषण रख लिया। इसके बाद, वह लगातार ब्लैकमेल करता रहा और उसे पूरी सैलरी भी नहीं देता था। पीड़िता ने झूंसी थाना में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने उक्त धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। उच्चाधिकारियों के निर्देश के बाद झूंसी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, अभियुक्त की गिरफ्तारी और अन्य विधिक कार्रवाई प्रक्रिया में है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले में साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं, और जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

राजकीय कुष्ठ चिकित्सा कर्मचारी संघ शाखा -रायबरेली का द्विवार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली ।दिनांक 14 सितंबर संगठन मंत्री पद पर एवं श्री अजय कुमार को कोषाध्यक्ष पद पर

2025 को राजकीय कुष्ठ चिकित्सा कर्मचारी संघ शाखा रायबरेली की द्विवार्षिक चुनाव जिला चिकित्सालय रायबरेली में श्री संजय कुमार मद्धेशिया अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद रायबरेली की देखरेख में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद शाखा रायबरेली के संरक्षक रमेश कुमार श्रीवास्तव चुनाव अधिकारी द्वारा संपन्न कराया गया। प्रमुख पदों पर श्री तेज नारायण अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए एवं मंत्री पद पर श्री हरि शंकर को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। श्री सुधीर कुमार सिंह उपाध्यक्ष, श्री सुशील कटियार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री जयप्रकाश निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। शाखा पदाधिकारियों ने कर्मचारी हितों की संरक्षा एवं सुरक्षा करने की शपथ ली। कार्यक्रम में श्री राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष कर्मचारी शिक्षक मोर्चा, श्री राजकुमार पूर्व जिला मंत्री, श्री प्रमोद भास्कर मंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, श्री सुरेश चौधरी अध्यक्ष डीपीए संघ, श्री अतुल कुमार विमल अध्यक्ष, अभिषेक यादव मंत्री उप्र बेसिक हेल्थ वर्कर एसोसिएशन श्री राजकुमार वर्मा, ज्ञानेंद्र कुमार श्रीवास्तव, तथा बड़ी संख्या में जिला कुष्ठ चिकित्सा कर्मचारी संघ के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

नैनी मंडल में आगामी 'सेवा पखवाड़ा' कार्यशाला संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। रविवार को नैनी मंडल आदरणीया डॉक्टर रिता बहुगुणा जोशी जी, दूसरे मुख्य वक्ता श्री

में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के नेता परम आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 15 प्रकार के कार्यक्रमों की कार्यशाला आयोजित किया गया। सेवा पखवाड़ा कार्यशाला नैनी मंडल के अंतर्गत रामनगर चौराहा के नजदीक स्थित एक विद्यालय में कार्यक्रम संयोजक श्याम मिश्रा, पंकज तिवारी एवं गीता श्रीवास्तव के सकुशल नेतृत्व में संपन्न किया गया। मुख्य वक्ता के रूप मे इलाहाबाद की निवर्तमान सांसद ज्ञानेश्वर शुक्ला जी, पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा नरसिंह, मंडल अध्यक्ष रजत दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी, राजन शुक्ला, पार्षद दिग्विजय सिंह डब्बू, राजेश तिवारी, हरिकिशन् तिवारी बबलू, लक्ष्मीकांत तिवारी एवं नैनी मंडल के समस्त पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यशाला में आगामी कार्यक्रम कार्यशाला में आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी एकत्रित की। कार्यशाला में नैनी मंडल के समस्त पदाधिकारी गण कार्यकर्ता करने पर चढ़कर हिस्सा लिया एवं सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को पूर्ण से सफल बनाने का प्रण लोया गया।

भुएमऊ सी एस स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रदीप सिंह को स्थानांतरण पर दी गई भावभीनी विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विकास खंड राही के कंपोजिट विद्यालय भुएमऊ में तीन

दशकों तक बालकों को संस्कार और शिक्षा का अमूल्य पाठ पढ़ाने वाले प्रधानाध्यापक प्रदीप कुमार सिंह का घुरवारा स्थानांतरण होने पर रविवार को एक भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी बृजलाल वर्मा तथा विशिष्ट अतिथि प्रदीप कुमार सिंह रहे। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और प्रदीप सिंह ने अपने दीर्घ कार्यकाल में इसे सिद्ध कर दिखाया। अपने विदाई समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रदीप सिंह ने कहा कि भले ही मेरा कार्यस्थल बदल रहा है, लेकिन मेरी भावनाएं और सेवा का स्वर्णिम काल सदैव इस विद्यालय से जुड़ा रहेगा। मैं चाहता हूं कि हर बच्चा मनोयोग से पढ़े और समाज व राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाए। इस अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, आरएसएम के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, जूनियर संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रमेश सोनकर, प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष डॉ. गजेंद्र सिंह, मंत्री दिलीप गुप्ता, मंत्री अवधेश यादव सहित कई शिक्षक नेताओं ने विचार व्यक्त किए और प्रदीप सिंह के योगदान को स्मरणीय बताया। कार्यक्रम में विद्यालय की बालिकाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जबकि सहायक अध्यापिका अंजू सिंह द्वारा डिजाइन किया गया आमंत्रण पत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। संचालन प्रधानाध्यापिका साधना मिश्रा, अंजू सिंह, रेनू यादव और स्मिता ने किया। इस अवसर पर विजय बहादुर सिंह, दिनेश यादव सहित जिले-क्षेत्र के अनेक गणमान्य शिक्षक उपस्थित रहे। विदाई समारोह के अंत में प्रधानाध्यापक प्रदीप सिंह ने समस्त स्टाफ और सहयोगी संगठनों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह आयोजन जीवन की अविस्मरणीय स्मृति के रूप में हमेशा साथ रहेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन सम्पन्न- 1,85,053 मामलों का हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा समस्त जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शनिवार को सफलतापूर्वक मा0 अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन शहर की सभी तहसीलों, बैंकों, सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थाओं, जनपद न्यायालय एवं ग्राम न्यायालयों में किया गया। जनपद न्यायालय में आयोजित लोक अदालत में 02 वाद अमित पाल सिंह मा0 जनपद न्यायाधीश, 03 वाद कुशल पाल प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश, 03 वाद अनिल कुमार-पंचम विशेष न्यायाधीश एस0सी0/एस0टी0 एक्ट, 02 वाद प्रतिमा द्वितीय अपर जिला जज, 112 वाद अमित पाण्डे चतुर्थ अपर जिला जज /ई0सी0एक्ट, 03 वाद गुनेन्द्र प्रकाश पंचम अपर जिला जज विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर अधि0, 05 वाद रामनेत विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधि0, 01 वाद सतीश त्रिपाठी सप्तम अपर जिला जज/एन0डी0पी0एस0, 01 वाद अभिषेक सिन्हा अपर जिला जज/एफ0टी0सी0-प्रथम, 01 वाद सुशील कुमार वर्मा, अपर जिला जज/एफ0टी0सी0-तृतीय, 1675 वाद पवन कुमार सिंह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, 19 वाद अमित मिश्रा, सिविल जज(सी0डी0), 683 फौजदारी वाद अनिशा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट(आर्थिक अपराध), 737 फौजदारी वाद अमोद कंठ अपर सिविल जज(सी0डी0), 1901 फौजदारी वाद प्रभाष त्रिपाठी अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, 1170 फौजदारी वाद डा0 विवेक कुमार, चतुर्थ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, 1507 फौजदारी वाद स्वप्निल पाण्डेय, द्वितीय अपर सिविल जज(सी0डि0), 02 वाद श्रीमती कीर्ति

किशोर, सिविल जज(सी0डि0)-एफ0टी0सी0, 17 वाद खैरुम निशाँ सिविल जज(जू0डि0), 08 वाद वसुन्धरा शर्मा सिविल जज(जू0डि) डलमऊ, 170 फौजदारी वाद ज्योति प्रकाश सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट-द्वितीय, 144 फौजदारी वाद श्रेया सोलंकी अपर सिविल जज(जू0डि0)-प्रथम, 288 वाद शिवम वर्मा अपर सिविल जज(जू0डि0)- द्वितीय, 567 मनु गुप्ता, अपर सिविल जज(जू0डि0)-अष्टम, 33 वाद देवेश कुमार यादव न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय, लालगंज, 12 वाद अंकित सिन्हा, न्यायधिकारी ग्राम न्यायालय सलोन, 03 वाद हर्षिता सिंह अपर सिविल जज(जू0डि0)-नवम, 02 वाद नीलांचल चौधरी अपर सिविल जज(जू0डि0)-चतुर्थ, 01 वाद विनय शील अपर सिविल जज(जू0डि)-पंचम, 03 वाद समृद्धि मिश्रा अपर सिविल जज(जू0डि0)-षष्टम, 02 वाद सृष्टि शुक्ला अपर सिविल जज(जू0डि0)-सप्तम, 46 वाद परितोष प्रकाश न्यायधिकारी ग्राम न्यायालय ऊँचाहार, 255 फौजदारी वाद सृष्टि सिंह सिविल जज (जू0डि0)-एफ0टी0सी0-द्वितीय, 01 वाद तन्या शर्मा, सिविल जज जू0डि0-एफ0टी0सी0-प्रथम, 50 फौजदारी वाद हृदय नरायण मिश्रा विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट लघु वाद द्वारा निस्तारित किये गये। जनपद न्यायालय में स्थित परिवार न्यायालय द्वारा 38 पारिवारिक वाद अनुपमा गोपाल निगम, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय-प्रथम चन्द्रमणि मिश्रा द्वारा 24 वाद, 16 वाद रचना सिंह प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय-द्वितीय द्वारा निस्तारित किये गये। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी ध्रुव कुमार तिवारी द्वारा 61 वाद निस्तारित किये गये। इस प्रकार कर जनपद न्यायालय में कुल 9568 वादों का निस्तारण हुआ। जनपद में स्थित बैंकों एवं कार्यपालिका के विभिन्न विभागों द्वारा कुल 1,75,485 वादों का निस्तारण किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 1,85,053 मामलों का निस्तारण जनपद रायबरेली किया गया। समस्त विभागों द्वारा कुल 15,69,09,705 की प्रतिकर धनराशि निर्धारित कि गयी।

यमुना अनादि के किनारे स्थित डेक्कन क्षेत्र का ऐतिहासिक 'भोलें बाबा' मंदिर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। यमुना अनादि के किनारे स्थित डेक्कन क्षेत्र का ऐतिहासिक 'भोलें बाबा' मंदिर,

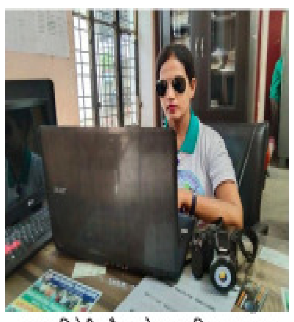
रचना त्रिवेदी चौनल हेड आधुनिक समाचार

जिसे मान्यता प्राप्त है कि इसकी स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने वनवास काल में की थी, आज भी श्रद्धालुओं का केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर के युवा पुजारी यश गोस्वामी ने पारंपरिक पूजा-पद्धति को आधुनिक समाज से जोड़ते हुए इसे युवाओं के बीच भी लोकप्रिय बना दिया है। प्रस्तुत है रचना त्रिवेदी की उनसे हुई खास बातचीतः **प्रश्न 1ः यश जी, सबसे पहले तो बताइए कि यह मंदिर कितना प्राचीन है और इसका क्या ऐतिहासिक महत्व है?** उत्तरः यह मंदिर त्रेता युग का है। ऐसी मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल में यहीं यज्ञ कर शिवलिंग की स्थापना की थी। यह स्थान 'सुजावन देव' के नाम से जाना जाता है और आज भी यमुना जी के अनादि तट पर स्थित है। यह एक आध्यात्मिक ऊर्जा केंद्र है। **प्रश्न 2ः एक युवा पुजारी के रूप में आपने यह ज़िम्मेदारी कैसे संभाली?** उत्तरः हमारे परिवार की सात पीढ़ियाँ इस मंदिर की सेवा में रही हैं। मैंने भी बचपन से ही भक्ति और सेवा का भाव देखा है। पढ़ाई के साथ-साथ मैंने वेद, पुराण और तंत्र-शास्त्र की भी शिक्षा ली। युवाओं को जोड़ने का प्रयास मेरा संकल्प है। **प्रश्न 3ः क्या आपने मंदिर में कुछ आधुनिक पहल की हैं?** उत्तरः बिल्कुल। हमने डिजिटल दर्शन की सुविधा शुरू की है ताकि देश-विदेश में बैठे श्रद्धालु भी बाबा के दर्शन कर सकें। साथ ही मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और नारी सुरक्षा जैसे सामाजिक विषयों पर जागरूकता शिविर भी चलाए जाते हैं। **प्रश्न 4ः युवाओं में धार्मिक आस्था कैसे बनी रहे, इस पर आप क्या सोचते हैं?** उत्तरः आस्था को मजबूरी या डर नहीं, बल्कि प्रेम और समझ का आधार बनाना होगा। जब युवा यह जानेंगे कि धर्म सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है - तो वे स्वाभाविक रूप से इससे जुड़ेंगे। मैं सोशल मीडिया के माध्यम से भी शिव तत्त्व और राम कथा को सरल भाषा में साझा करता हूँ। **प्रश्न 5ः आने वाले वर्षों में मंदिर के**

पुजारी सुजावन देव महादेव

लिए आपकी क्या योजनाएँ हैं? उत्तरः हमारा लक्ष्य है कि यह मंदिर सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक शोध केंद्र बने। हम वेद-शास्त्र अध्ययन, ध्यान-योग प्रशिक्षण और युवाओं के लिए शिविर आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। **प्रश्न 6ः अंत में, हमारे पाठकों के लिए कोई संदेश?** उत्तरः शिव से बड़ा कोई सहारा नहीं। भक्ति में शक्ति है, और परंपरा में प्रगति। अपने मूल से जुड़ें, तभी हम भविष्य को सही दिशा दे पाएंगे। सुजावन देव हमेशा सबका कल्याण करें।

डीएम ने आईजीआरएस व सीएम हेल्पलाइन की विभागवार व बिन्दुवार गहन समीक्षा की

जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर कई अधिकारियों के स्पष्टीकरण व वेतन रोकने के दिए गए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा आज कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस व सीएम हेल्पलाइन की विभागवार एवं बिन्दुवार गहन समीक्षा की गई। समीक्षा में यह संज्ञान में आया कि जनपद के कुछ अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा बिना शिकायतकर्ता से सम्पर्क एवं स्थलीय निरीक्षण किए संदर्भों का अपूर्ण निस्तारण किया जा रहा है, जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में शिकायतकर्ता से सम्पर्क किए जाने का विवरण आईजीआरएस पोर्टल पर अवश्य फीड किए जाने हेतु शासन स्तर से समय-समय पर निर्देश दिए जाने के उपरान्त भी उक्त का अनुपालन नहीं किया जा रहा है, जो कि शासन की मंशा के विपरीत है। इसी कारण से जनपद में आनलाइन व सीएम हेल्पलाइन सन्दर्भों में शिकायतकर्ता से सम्पर्क स्थलीय निरीक्षण संतोषजनक कार्य नहीं किया गया, जिसका नकारात्मक प्रभाव जनपद की रैंकिंग पर पड़ रहा है। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता सिंचाई व जल निगम (ग्रामीण), जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला

पंचायत राज अधिकारी,जिला कार्यक्रम अधिकारी, बी0डी0ओ0 सतांव और बी0डी0ओ0 महराजगंज, सीडीपीओ छतोह, डीह व जगतपुर की कार्य प्रणाली भी संतोषजनक नहीं पाई गई,अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत ऊंचाहार व नसीराबाद, सीओ चकबंदी, एडीओ पंचायत हरचंदपुर व बछरावा का वेतन बाधित कर इस सन्दर्भ में 03 दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है कि आईजीआरएस प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने के लिए क्यों न निलंबन हेतु संस्तुति कर दी जाए। स्पष्टीकरण संतोषजनक न मिलने पर निलंबन हेतु संस्तुति की जाएगी। इसके साथ ही चकबंदी अधिकारी सदर और हरचंदपुर को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए।समीक्षा में यह भी पाया गया कि विद्युत विभाग, राजस्व और स्वास्थ्य विभाग की सबसे ज्यादा शिकायतें आ रही हैं, संबंधित को प्रत्येक आवेदक से संपर्क कर फील्ड इंस्पेक्शन करने के उपरांत ही निस्तारण के निर्देश दिए गए। लालगंज ब्लाक के पंचायत सचिव फूलचंद्र को दायित्वों के निर्वहन में उदासीनता करने हेतु निलंबित किए जाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्थानीय स्तर पर जनसामान्य की समस्याओं का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता व उदासीनता अक्षम्य है, शिकायतों के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में लापरवाही करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

शहीद स्मारक स्थल पर योग साधकों की उपस्थिति में हुआ हिंदी दिवस का भव्य आयोजन

आजादी के 78 वर्ष बाद भी हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिल सका, सरकार ठोस पहल करेःडॉ. किरन श्रीवास्तव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को शहर के सई नदी स्थित मुंशीगंज शहीद स्मारक ऐतिहासिक स्थल पर मातृभूमि सेवा मिशन इकाई रायबरेली के बैनर तले हिंदी दिवस सितंबर 1949 को संविधान सभा ने अनुच्छेद 343(1) के अंतर्गत हिंदी (देवनागरी लिपि) को राजभाषा का दर्जा दिया था। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी देश की असली पहचान उसकी सराहना करते हुए मिशन के संस्थापक डॉ. श्री प्रकाश मिश्रा और जिला संयोजक प्रदीप पांडेय को बधाई दी। साथ ही योग साधकों एवं हिंदी प्रेमियों को शुभकामनाएं प्रेषित दी। इस अवसर पर योग प्रशिक्षिका

पर भव्य कार्यक्रम योग साधकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज के हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. श्रीमती किरन श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने भारत माता की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिल सका है, इसलिए केंद्र सरकार को इस दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए। उन्होंने स्मरण कराया कि 14 भाषा से होती है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में हमारे देश के महापुरुषों ने हिंदी को ही जनजागरण का माध्यम बनाया था। पहले भारत देश भूखे किसानों और बेरोजगार युवाओं से जूझ रहा था, लेकिन आज का नया भारत धरती से लेकर अंतरिक्ष तक उड़ान भरने वाला राष्ट्र बन चुका है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी स्वतंत्र राष्ट्र की पहचान उसके राष्ट्रगान, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रभाषा से होती है। डॉ. श्रीवास्तव ने मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा रायबरेली में कराए जा रहे निःशुल्क योग कार्यों की मुक्त कंठ से सोनम गुप्ता, इकाई संयोजक प्रदीप पांडेय, संरक्षक महेन्द्र अग्रवाल, रामराज गिरी, अजय श्रीवास्तव, राकेश यादव, देवेंद्र नाथ मिश्रा, दिनेश पांडे, संदीप यादव, अतुल पांडेय, दिनेश मिश्रा, अनूप शर्मा, राज अग्रहरि, राजकुमार, सुमन यादव, माया, रश्मी पांडेय, मोनी सिंह, रीना मिश्रा, निशा यादव सहित बड़ी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मीडिया जगत से टीवी न्यूज़ एंकर एस.पी. यादव और पोर्टल रिपोर्टर रितेश श्रीवास्तव ने भी सहभागिता की। संचालन इकाई के मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह ने किया।

वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक गुप्ता सहित भारत वर्ष के 8 वरिष्ठ पत्रकार राष्ट्रीय मानवाधिकार मीडिया में सम्मिलित

मानवाधिकार संरक्षण, भ्रष्टाचारमुक्त भारत व सामाजिक सेवा काय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार नियंत्रण ब्यूरो ने अपने मीडिया किया गया है जिनमें सुभाष चंद्र पाण्डेय जी प्रधान संपादक दैनिक हिंदी समाचार पत्र दि ग्राम टुडे जौनपुर, डॉ. आर सी

प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए राष्ट्रीय टीम में दैनिक हिंदी समाचार पत्र के प्रधान संपादक सुभाष चंद्र पाण्डेय सहित भारत वर्ष के 8 वरिष्ठ पत्रकारों को सम्मिलित किया है। उपरोक्त की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के चेयरमैन आर के पाण्डेय एडवोकेट ने बताया कि संगठन में समर्पण के साथ बिना किसी प्रलोभन के पूर्णतया निःस्वार्थ समर्पित सेवा भाव से लगातार संगठनहित, जनहित, समाजहित, राष्ट्रहित के समाचारों के लगातार प्रकाशन व प्रसारण करने वाले भारत वर्ष के 8 वरिष्ठ पत्रकारों को राष्ट्रीय टीम में सम्मिलित श्रीवास्तव जी प्रधान संपादक दैनिक हिंदी समाचार पत्र भारत मंजरी व संस्थापक दि जर्नलिस्ट एसोसिएशन फतेहपुर, अभिषेक गुप्ता जी पत्रकार प्रयागराज, जतिन कुमार चतुर्वेदी जी पत्रकार प्रतापगढ़, वी के त्रिपाठी जी सह संपादक दैनिक हिंदी समाचार पत्र अवध नगरी बस्ती, राजीव सिंघई जी पत्रकार दैनिक हिंदी समाचार पत्र जनप्रिय एवं सिद्धि सरकार ललितपुर, भानु प्रताप सिंह जी संपादक दैनिक समाचार पत्र गरीबों की जंग हरदोई एवं मनोज मिश्र जी प्रधान संपादक दैनिक हिंदी समाचार पत्र सूरत सम्राट सूरत सम्मिलित हैं।

सेक्टर 51 आर.डब्ल्यू.ए ने किया आम सभा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 51 आर डब्ल्यू ए के ए एवं बी ब्लॉक्स की आम सभा का आयोजन सामुदायिक केंद्र में किया गया। सभा की अध्यक्षता आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष श्रीमती अनीता जोशी ने की। सभा में आर डब्ल्यू ए का वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। आम सभा में सर्वसम्मति से एस. पी. सिंह को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। साथ ही नई कार्यकारिणी के चुनाव की तिथि 28 सितंबर 2025 निर्धारित की गई।

कलशयात्रा के साथ शुरू हुआ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। होम्स-121 सोसाइटी नोएडा में धार्मिक उत्साह और भक्तिभाव के साथ श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम भजन-कीर्तन मंडली और सोसाइटी के सभी निवासियों के सहयोग से संपन्न हो रहा है। कथा के शुभारंभ पर आज भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु पारंपरिक वस्त्रों में कलश लेकर शामिल हुए। पूरे परिसर में धार्मिक वातावरण और भक्ति रस का संचार देखने को मिला। कथा व्यास सुरेश जी महाराज (बृजधाम, बृज नगर) द्वारा संगीतबद्ध कथा कही जाएगी। श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, धर्म, और जीवन के आदर्शों पर प्रकाश डाला जाएगा। श्रीमद्भागवत कथा के विराम के बाद हवन , आरती एवं महाप्रसाद का आयोजन होगा। आप सभी भगवत्प्रेमी सादर आमंत्रित हैं पधार कर श्रीपतित पावनी गंगा रूपी कथा का रसास्वादन लेकर जीवन को धन्य बनाएं।

डॉक्टर कॉन्क्लेव 2025 में डॉ. डी.के. गुप्ता ने साझा किया क्लीनिक से चेन ऑफ हॉस्पिटल तक का सफर

बचपन का संघर्ष और जनता से वादा, शिक्षा की लड़ाई और संघर्ष की राह से निकली फेलिक्स की सफलता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जयपुर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में शनिवार को रूंगटा हॉस्पिटल की ओर से

डॉक्टर कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में फेलिक्स हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर अपने जीवन संघर्ष, डॉक्टर बनने के जुनून और एक छोटे से क्लीनिक से अस्पतालों की बड़ी श्रृंखला (चेन ऑफ हॉस्पिटल्स) खड़ी करने तक की कहानी साझा की। डॉ. डी.के गुप्ता ने बताया कि किस तरह उन्होंने बचपन से ही लोगों की सेवा करने का सपना देखा और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उस सपने को साकार किया। यह सफर केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी हार न मानते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहते हैं।

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के एक छोटे से गांव में जन्म के बाद बचपन बेहद साधारण और संघर्षपूर्ण रहा। पिता जिला पंचायत में कर्मचारी और मां प्राइमरी स्कूल शिक्षिका थीं। लेकिन परिवार के आर्थिक हालात कमजोर थे। सिर्फ 49 साल की उम्र में उनके पिता का निधन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से हुआ, क्योंकि उस समय गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इस घटना ने भीतर तक झकझोर दिया। पिता के अंतिम संस्कार के समय उन्होंने प्रण लिया कि 'वह उन लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे, जिन्हें आज इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि हिंदी माध्यम की पृष्ठभूमि के कारण उन्हें कई स्कूलों ने दाखिला देने से मना कर दिया। सरकारी स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें पढ़ने-लिखने के साथ-साथ कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने सड़कों के नीचे स्ट्रीट लाइट की रोशनी में पढ़ाई की, बरामदों और गलियों में सोकर दिन गुजारे और पढ़ाई का खर्च निकालने के लिए पॉपकॉर्न बेचे। एमबीबीएस में दाखिले के समय भी उन्हें कठिनाइयों से जूझना पड़ा। फॉर्म गायब हो गया, जिसके चलते उनका दाखिला रुक गया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और हाई कोर्ट में केस लड़ा। अंततः मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से उन्हें मेरठ के एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट वापस मिली। यहीं से उन्होंने एमबीबीएस और एमडी (पीडियाट्रिक्स) की पढ़ाई की और गोल्ड मेडल हासिल किए। छोटे क्लीनिक से अस्पताल तक की नींव- संघर्षों से निकलने के बाद युवा डॉक्टर के तौर पर अपनी प्रैक्टिस की शुरुआत 2008 में आस्था क्लीनिक से की, जिसमें सिर्फ 15 बेड थे। कड़ी मेहनत और मरीजों की सेवा भावना के चलते धीरे-धीरे उनकी पहचान बनी। इसके बाद 2015 में अपनी पत्नी डॉ. रश्मि गुप्ता के साथ मिलकर फेलिक्स हॉस्पिटल की स्थापना की।

शुरू में यह 50 बेड का अस्पताल था। लेकिन आज फेलिक्स हॉस्पिटल्स न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत में तेजी से उभरता हुआ स्वास्थ्य संस्थान है। डॉ. डी.के गुप्ता ने बताया कि 2015 में 50 बेड से शुरू हुआ सफर आज 200 से ज्यादा ऑपरेशनल बेड तक पहुंच चुका है। अस्पताल ने

एनएबीएच और एनएबीएल जैसे बड़े सर्टिफिकेशन हासिल किए हैं। वर्तमान में फेलिक्स हॉस्पिटल्स कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और ऑन्कोलॉजी जैसी सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं उपलब्ध करा रहा है।

आने वाले वर्षों में इसका विस्तार 850 से ज्यादा बेड तक करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जिंदगी जिंदादिली का नाम है, बुजदिल खाक जिया करते हैं। उन्होंने बताया कि संघर्षों से भागना नहीं, बल्कि उनका सामना करना ही असली सफलता है। सपना है कि हर आम और गरीब परिवार तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच सकें। विजन केवल एक अस्पताल चलाना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वास्थ्य तंत्र का निर्माण करना है। जहां हर इंसान को समय पर और उचित इलाज मिल सके।150 डॉक्टरों ने लिया हिस्सा, पुस्तक का हुआ विमोचन-कॉन्क्लेव का विषय फ्रॉम क्लीनिक टू हॉस्पिटल्स, द जर्नी स्टार्ट्स हियर रहा। इस कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से 150 से अधिक युवा डॉक्टरों ने भागीदारी की। आयोजन का उद्देश्य युवा चिकित्सकों को यह मार्गदर्शन देना था कि कैसे वह अपने क्लीनिक से शुरुआत कर धीरे-धीरे अस्पताल मालिक बनने तक का सफर तय कर सकते हैं।कॉन्क्लेव के एजेंडा में प्रमुख रूप से 'हाउ टू ग्रो योर प्रैक्टिस एंड एनेबल योर जर्नी टू बी अ हॉस्पिटल ओनर' विषय पर पैनल चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान एक विशेष पुस्तक का विमोचन भी किया गया। वहीं डेंगू जागरूकता को लेकर घोषणा की गई। युवा डॉक्टरों ने इंटरैक्टिव सत्र में वक्ताओं से सवाल पूछकर अपने संदेह दूर किए। रूंगटा हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक श्री राश बिहारी रूंगटा ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना और चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करना है।

जमानत को लेकर हाईकोर्ट तक आरोपी असफल अब होगी गिरफ्तारी,जन जागरण संदेश दुर्गेश कुमार गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। जिले के व्यवहारी का थाना पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर जहां शुरू कर दी है

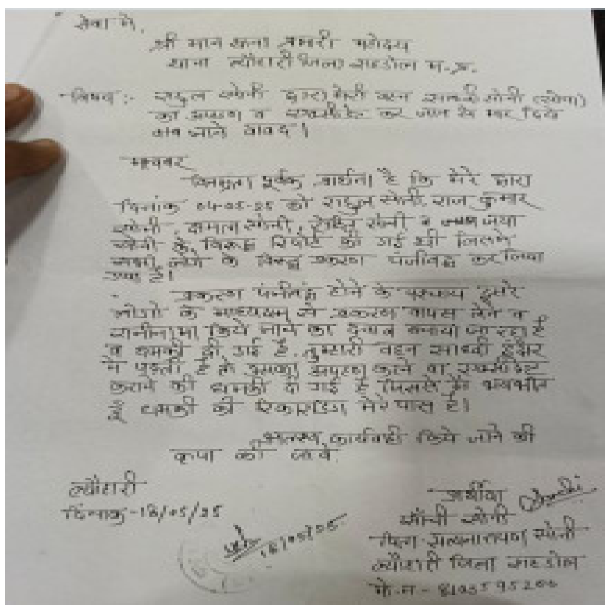

मामला दहेज का ताजा और सर्वनक मामला सामने आया है फरियाद या सांची सोनी पति राहुल सोनी उम्र 26 वर्ष निवासी शहडोल सोहागपुर हाल मायका व्यवहारी ने अपने पति राहुल सोनी स क्षमता सोनी ससुर राजकुमार सनी देव रोहित सोनी एवं नंद जय सोनी पर दहेज की मांग लगाकर शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना मारपीट भूषण हत्या और जान से मारने की धमकी की गंभीर आरोप लगाया है फरियादिया के आवेदन में दर्ज तत्वों के अनुसार शादी के समय 3,51000 नगद 15 तोला सोना 3 किलो चांदी और गृहस्थी का पूरा सामान देने के बाद भी ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं हुआ और लगातार एक कर और नगद रु500000 की मांग करते रहे मांग पूरी होने पर फरियादिया को न केवल गालियां दी गई बल्कि कई बार बेरहमी से पीटा गया पति राहुल सोनी पर आरोप है कि उसने कई बार लोहे की पाइप से बाहर किया जिसके कारण पीड़िता का ऑपरेशन हुआ इतना ही नहीं जबरन तीन बार गर्भपात भी कराया गया प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए व्यवहारी शुरुआत में भीषण हत्या की धाराएं नहीं लगाई गई थी लेकिन विवेचक वीरेन तिवारी ने चर्चा के दौरान बताया कि अब धाराएं बढ़ा दी गई हैं और जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी संभव है देर तालाब है कि आरोपी पक्ष ने गिरफ्तारी से बचने के लिए उच्च न्यायालय तक अग्रिम जमानत के लिए शरण ली मगर कहीं से भी उन्हें राहत नहीं मिली अब उन सभी के जेल जाने की पूरी संभावना है दहेज जैसी अमानवीय प्रथा ने न जाने कितने बेटियों के घर उजाड़ दिए हैं यह प्रकरण एक बार फिर समाज के सामने आईना है कि लालच किस तरह रिश्ते को गला घर देते हैं अब देखना यह है कि कानून के शिकंजे में फंस चुके इन आरोपियों पर पुलिस कितनी तेजी से शिकंजा करती है क्योंकि जिला शहडोल पुलिस अधीक्षक से कई बार गुहार लगाने के बाद भी सिर्फ अनुशंसा ही दी जाती है यहां तक की बेटी को कई बार ले जाकर में एसपी कार्यालय में बात किया सिर्फ वहां से निराशा ही मिली है.

नोएडा में हिंदी साहित्य भारती ने मनाया हिंदी दिवसः भाषा की महत्ता और एकता पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा हिंदी साहित्य भारती, जिला गौतमबुद्धनगर के तत्वावधान में शनिवार को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बाबा कानपुरी के आवास सदरपुर, सेक्टर-45, नोएडा में हुआ। कार्यक्रम में हिंदी भाषा और संस्कृति पर चर्चा, मां भारती को स्वैच्छिक सहयोग समर्पण तथा हिंदी कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न साथियों ने अपनी कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी दिवस की महत्ता पर चर्चा से हुई। वक्ताओं ने बताया कि हिंदी दिवस हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाता है, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। यह दिन हमें हमारी मातृभाषा के प्रति सम्मान जगाने और उसके दैनिक उपयोग को बढ़ावा देने की प्रेरणा देता है। हिंदी न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि यह देश की विविधता को एक सूत्र में बांधने वाली शक्ति भी है। महात्मा गांधी ने 1918 में हिंदी साहित्य सम्मेलन में हिंदी को जनमानस की भाषा बताते हुए इसे राष्ट्रभाषा बनाने पर जोर दिया था। हालांकि, आजादी के बाद भी राजनीतिक कारणों से इसे पूर्ण राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिल सका, लेकिन यह राजभाषा के रूप में देश को जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है। हिंदी भाषा के राष्ट्रभाषा बनने के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने सर्वसम्मति से हिंदी को केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा घोषित किया था। यह निर्णय भारत की भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए लिया गया, जहां हिंदी को देवनागरी लिपि में अपनाया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत हिंदी को राजभाषा का दर्जा मिला, जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस तिथि का चयन किया, क्योंकि यह हिंदी साहित्यकार व्यौहार राजेंद्र सिंह के जन्मदिन से भी जुड़ी थी। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सुझाव पर 1953 से हिंदी दिवस औपचारिक रूप से मनाया जाने लगा। वक्ताओं ने जोर दिया कि हिंदी का प्रचार-प्रसार न केवल सांस्कृतिक गौरव बढ़ाता है, बल्कि पूरे देश को एकजुट करने में भी मदद करता है, क्योंकि यह उत्तर भारत से लेकर दक्षिण तक लाखों लोगों की भाषा है। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. रामनिवास शुक्ला ने हिंदी की सांस्कृतिक भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. पुष्पेंद्र कुमार शर्मा, महामंत्री ने कविता पाठ के माध्यम से भाषा के भावनात्मक महत्व को रेखांकित किया। जिला अध्यक्ष विनोद तोमर ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता के सूत्र के रूप में वर्णित किया। आर एन श्रीवास्तव, टी एन गोविल, प्रांतीय अध्यक्ष बाबा कानपुरी, विनोद शर्मा, विनय विक्रम सिंह, किसलय शर्मा, उद्धव विश्वकर्मा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष अटल मुरादाबादी तथा अखिलेश गुप्ता ने भी अपने विचार साझा किए। श्रद्धा समर्पण कार्यक्रम में मां भारती को स्वैच्छिक सहयोग समर्पित किया गया, जो हिंदी के प्रति समर्पण का प्रतीक था। हिंदी कवि गोष्ठी में उपस्थित सभी साथियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से हिंदी की महत्ता को उजागर किया। कार्यक्रम का समापन हिंदी को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ, जो नोएडा में हिंदी प्रेमियों के बीच उत्साह का संचार कर गया।

सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय में बिहार से आए 20 चयनित कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसार निदेशालय में हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सैम हिग्गिनबॉटम

कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रसार निदेशालय में बिहार राज्य से जनपद मधेपुरा के विभिन्न ब्लाकों मधेपुरा, सिहेश्वर, शंकरपुर, गम्हरिया, कुमारखण्ड, मुरलीगंज से आये हुए 20 चयनित कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसार निदेशालय में हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डा0 प्रवीन चरन थें, उन्होनें अवगत कराया कि जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, आत्मा मधेपुरा द्वारा प्रायोजित पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 15-19 सितम्बर 2025 तक आयोजन किया गया है जिसमें प्राकृतिक / गौ आधारित खेती, औद्यानिक फसलों, पशुपालन, संरक्षित खेती के विषय पर प्रशिक्षण दिया जायेगा। निदेशक प्रसार ने आज की परिस्थितियों को देखते हुए प्राकृतिक खेती के सुझाव दिये जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाया जा सके एवं पर्यावरण की रक्षा की जा सके तथा विभिन्न प्रकार के रासायनिक केमिकल से होने वाले दुष्प्रभाव से बचा जा सके। उन्होनें बताया कि सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज वर्ष 1910 से कार्यरत है तथा कृषि क्षेत्र में निरंतर अग्रणी योगदान देता रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न नई-नई खोजें की गयी जो किसानों के बीच प्रचलित हैं जिनको किसान अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार कर रहा है। आगे उन्होनें बताया कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्होनें कहा पशुपालन, उद्यान विज्ञान, शस्य विज्ञान, भण्डारण, बीज उत्पादन तकनीक, पौधों द्वारा तैयार किया जाने वाला बीजामृत, घनामृत तथा किसानों से जुड़े हुए तमाम कृषि के मुद्दों पर परिचर्चा की जायेगी, जिसके संदर्भ में विभिन्न विभागों के अलग-अलग वैज्ञानिक समय-समय पर व्याख्यान देगें तथा कृषकों की समस्याओं का निराकरण करेगें। कृषकों को सम्बोधित करते हुए संयुक्त निदेशक प्रसार / प्रशिक्षण समन्वयक प्रो0 (डा0) ए0 के0 चौरसिया ने किसानों से कहा कि वे विश्वविद्यालय के बीज उत्पादन कार्यक्रम से स्वयं को जोड़ने का प्रयास करें क्योंकि बीज का दाम सदैव ही फसल के दाम से अधिक होता है एवं विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर बीज उत्पादन करने से बीज उत्पादन की तकनीकियां किसान स्वतः ही सीख लेता है एवं उसका समस्त बीज विश्वविद्यालय द्वारा खरीद लिया जाता है जिससे अन्ततः कृषक आर्थिक रूप से सम्पन्न व स्वावलम्बी होता है। कार्यक्रम में उपस्थित डा0 टी0 डी0 मिश्रा ने कृषकों को बताया कि गौ-आधारित खेती प्रारंभ करने हेतु हमें अपनी पुरानी परंपरा के तहत खेती करनी होगी क्योंकि आज के दौर में रसायन आधारित उर्वरक कीटनाशी, खरपतवारनाशी, का अत्यधिक प्रयोग करने से मानव जीवन पर इसका कुप्रभाव पड़ा है। सामान्य जीवन में बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है जिसकी वजह से हमें प्राकृतिक खेती की ओर धीरे-धीरे अग्रसर होना होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन

अवसर पर प्रसार निदेशालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 योगेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा0 सरवेन्द्र कुमार, डा0 शिशिर कुमार, डा0 शैलेन्द्र कुमार सिंह, डा0 मनीष कुमार केसरवानी, हिन्दी अधिकारी श्रीमती मीना नेथन एवं कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीरामलीला की तैयारियाँ जोरो से हुई शुरू,मंच निर्माण कार्य में तेजी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर 62 के रामलीला मैदान में रामलीला के कलाकारों के द्वारा रामलीला की भव्य प्रस्तुति दी जाएगी।सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी।लोगों के बैठने की व्यवस्था को भी बढ़ाया

गया है।इस बार 5 हजारों लोगों के बैठने की व्यवस्था है ।लोगों के खाने-पीने के लिए फूड स्टाल रहेगा और लोगों की सुरक्षा के लिए प्राइवेट सुरक्षा गार्ड और नोएडा पुलिस की व्यवस्था रहेगी।इसके साथ-साथ श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति के लगभग पचास वॉलंटियर लोगों को सुरक्षा प्रदान करने का कार्य करेंगे।श्रीराम मित्र मंडल रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला 22 सितंबर से शुरू होकर 03 अक्टूबर तक चलेगी।समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 26 सितंबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जाएगी,जो शहर के विभिन्न सेक्टरों से होते हुए सेक्टर-62 स्थित रामलीला स्थल पर पहुँचेगी।02 अक्टूबर को दशहरा उत्सव मनाया जाएगा और इसके साथ ही रावण के अंत के उपलक्ष्य में रावण,कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाएगा।समिति के कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग और सह कोषाध्यक्ष अनिल गोयल ने बताया कि 03 अक्टूबर को सर्वप्रथम श्रीराम और भरत मिलाप तथा श्रीराम राज्याभिषेक होगा।उसके बाद डांडिया उत्सव मनाया जाएगा और इसके साथ ही 12 दिवसीय श्रीरामलीला मंचन एवं श्रीरामलीला महोत्सव 2025 का समापन हो जाएगा।

मंचन की तैयारियां तेजी से स्शुरू हो गईं हैं।मंच का निर्माण कार्य तीव्र गति से शुरू हो गया है।मंचन के स्थान को चारों ओर से घेरा जा रहा है।इस बार डेढ़ सौ फ़ीट लंबा मंच बनाया जा रहा है।मंच की ऊंचाई 6 फ़िट होगी और चौड़ाई 48 होगी।इस वर्ष तीन मंच बनाया जा रहा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन बहुत रोचक और बहुत रोमांचक होगा।मुरादाबाद की लीला मंडली शिवाकला लोक कल्याण समिति

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, लड़की ने होटल में बुलाकर रेप किया,गोरखपुर में युवक बोला- जबरन रिलेशन बनाए, अब पैसे मांग रही

गोरखपुर। 19 साल की लड़की पर रेप की एफआईआर दर्ज हुई है। एक युवक ने युवती पर यौन शोषण का आरोप लगाया। उसने बताया कि हमारी इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। युवती ने होटल में बुलाकर मुझसे शारीरिक संबंध बनाए। फिर प्रेग्नेंसी रिपोर्ट दिखाकर ब्लैकमेल करने लगी। युवक के मुताबिक, दोस्ती के बाद वह युवती के झांसे में आ गया। वह युवती की कही हुई बात मानता गया। युवती ने उसके कपड़े निकालकर फोटो भी ले लिए। वह एक बार उसके बुलाने पर गया, जिसके बाद जाना उसकी मजबूरी बन गई। युवती एक दिन अचानक उसके घर पहुंच गई। उसके पिता से भी पैसे मांगने लगी। पीड़ित युवक ने पुलिस में मामले की शिकायत की। जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया गया। मामला गीडा थानाक्षेत्र का है।सहजनवां इलाके के युवक की 3 साल पहले दिसंबर 2023 में युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई। युवक ने बताया कि युवती की उम्र करीब 19 साल की थी। वह करीब 16 साल का था। उसने बताया कि बातचीत में युवती ने उसे प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद उसने उसे होटल में मिलने के लिए बुलाया।

आईएमएस नोएडा ने की द ग्रीन-वे के साथ एमओयू साइन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए आईएमएस नोएडा ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस वर्ष से संस्थान ने अपने सभी यूनिफॉर्म और आधिकारिक मर्चेंडाइज़ को पारंपरिक कपड़ों की जगह इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल फैब्रिक से तैयार करने की घोषणा की है। यह पहल द ग्रीन-वे कंपनी के साथ सहयोग से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों को ऐसा परिधान उपलब्ध कराना है जो न केवल आरामदायक हो, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाए। आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि हम अपने छात्रों में हरित सोच को बढ़ावा देना चाहते हैं। यूनिफॉर्म में यह बदलाव पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी न सिर्फ अकादमिक रूप से आगे बढ़ें, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों को भी समझें। यह बदलाव आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने की ओर एक छोटा लेकिन प्रभावशाली प्रयास है। द ग्रीन-वे के सह-संस्थापक अक्षुन गर्ग ने कहा कि आईएमएस नोएडा जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व की बात है। यह साझेदारी छात्रों में सस्टेनेबल फैशन और जिम्मेदार उपभोग की आदत को बढ़ावा देगी। यह मॉडल अन्य शैक्षणिक संस्थानों को भी प्रेरित करेगा। वहीं हमारा लक्ष्य है कि संस्थान में आने वाले दो वर्षों में सभी विभागों की यूनिफॉर्म, टी-शर्ट, बैग और अन्य मर्चेंडाइज़ पूरी तरह सस्टेनेबल मटेरियल से तैयार किए जाएं। इसके साथ ही छात्रों को रीसाइक्लिंग और पर्यावरण-संरक्षण से जुड़े विशेष प्रशिक्षण व कार्यशालाओं से भी जोड़ा जाएगा, ताकि वे वास्तविक जीवन में इस सोच को आगे बढ़ा सकें। आईएमएस के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने कहा कि यह कदम छात्रों और संकाय दोनों में ग्रीन लिविंग की आदत को मजबूत करेगा और समाज को एक स्पष्ट संदेश देगा कि शिक्षा और पर्यावरण साथ-साथ चल सकते हैं।

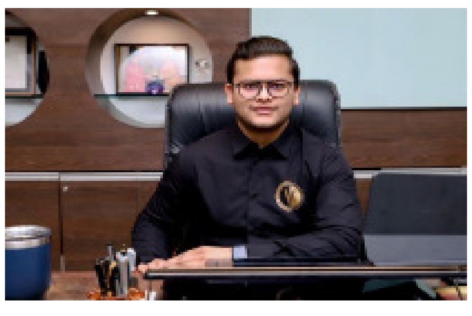

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की जिला कार्ययोजना बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जिला कार्ययोजना बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुयी बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि भाजपा जिला प्रभारी अनिल सिंह मौजूद रहे। बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य व संचालन जिला उपाध्यक्ष/ कार्यक्रम संयोजक अनिल सिंह गौतम ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि

जिला प्रभारी अनिल सिंह ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के संबंधित कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया और चुनाव कैसे संपन्न हो उसका मंत्र दिया कहा पंचायत चुनाव 2021- के बाद जिले में नए नगर पंचायत नगर पालिका परिषद के सृजन और सीमा विस्तार से कई ग्राम पंचायत और राजस्व ग्राम शहरी क्षेत्र में आ गए शहरी क्षेत्र में शामिल ग्राम पंचायत को हटाने और बचे हुए राजस्व ग्रामो को नजदीकी ग्राम पंचायत में शामिल करने का कार्य होगा अभी प्रदेश में-57.691-ग्राम पंचायत-826-क्षेत्र पंचायत है राज्य निर्वाचन आयोग पंचायतों की मतदाता सूचियां का पुनरीक्षण कार्यक्रम करने जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला उपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य जी ने मुख्य अतिथि आभार व्यक्त किया और कहा जिस तरह से कार्य योजना संगठन के द्वारा बनाई गई है जनपद सोनभद्र का संगठन मजबूती से कार्य करेगा और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में हिस्सा लेकर के चुनाव जीतने का काम किया जाएगा मैं पूर्ण रूप से संगठन को आपको आश्वासन देता हूं किसी भी तरह से हमारा संगठन हमारे कार्यकर्ता कहीं से भी असफल नहीं होंगे हम एक बार फिर इस चुनाव में कमल खिलाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश दुबे, संतोष शुक्ल, शंभूनारायण सिंह, बृजेश श्रीवास्तव, बीएन गुप्ता, कैलाश बैसवार, दिलीप पांडे, यादवेंद्र द्विवेदी, रामसुंदर निषाद, कृष्णमूरारी गुप्ता, अमरनाथ पटेल, नर सिंह पटेल, सीमा गुप्ता, विमलेश चौबे, शारदा खरवार, दिलीप चौबे, विनय श्रीवास्तव, अनूप तिवारी दीपक शाह, संजय केशरी सहित आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

राज्यमंत्री ने हवाई पट्टी का किया स्थलीय निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर/सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक

के कस्बा स्थित निर्माणाधीन हवाई पट्टी का शनिवार की शाम स्टाम्प, न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन स्वतंत्र प्रभार मंत्री रविन्द्र जायसवाल ने स्थलीय निरीक्षण किया और दुद्धी एस डी एम निखिल यादव तथा एयरपोर्ट अथार्टी ऑफ इंडिया के स्थानीय सिविल डायरेक्टर मयंक राजपूत से जानकारी ली , एस डी एम ने राज्य मंत्री को बताया कि न्यायालय से मामला निस्तारित हो गया है,अब निर्माण कार्य में प्रगति आएगी।राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार की योजना है कि प्रदेश के सभी मंडलों में एयर पोर्ट का निर्माण हो।मिर्जापुर मंडल का यह हवाई पट्टी जल्द शुरू होगा इसके लिए प्रयास शुरू है। निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। उन्होंने अधिकारियों से मंत्रणा की और कहा कि इसे प्राइवेट कंपनी के मदद से संचालित किया जाए अगर दो सौ यात्री भी रोज यात्रा करेंगे तो उड़ान शुरू होने में दिक्कत नहीं आएगी।स्थानीय कार्यकर्ताओं ने मंत्री को बताया कि यह क्षेत्र उद्योगों से भरा है इसलिए यात्रियों की कमी नहीं होनी चाहिए।इस मौके पर श्रवण सिंह गोंड,ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड, दीपक सिंह,जिला पंचायत सदस्या सुषमा सिंह,आशीष सिंह बिट्टू,गणेश जायसवाल ,अनिल सिंह ,सुजीत सिंह, दीपक शाह,अमरकेश सिंह,भीम जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

थाना चोपन की साइबर टीम ने फ्राड से ठगे 15,553 रुपये वापस कराये

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदिका धर्मशिला पत्नी संजय प्रसाद निवासिनी रामनगर जिला बक्सर बिहार वर्तमान पता प्रीतनगर चोपन थाना चोपन जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किस्त जमा कराने के नाम पर 15553/- रुपये की धनराशि ठगी कर ली गयी थी, जिसके सम्बन्ध में थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा आवेदिका से फ्राड के सम्बन्ध मे पूछताछ कर एंव ट्रांजैक्शन से सम्बन्धित आवश्यक कागजात लेकर तत्काल साइबर पुलिस पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज की गयी। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण मे तथा थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन करके आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि को सम्बन्धित खाते मे होल्ड कराया गया तथा एनसीआरपी पोर्टल से ट्रांजैक्शन से सम्बन्धित आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर सम्बन्धित बैंक को ईमेल/पत्राचार करके आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि कुल 15,553/-/- रुपये को आवेदिका के मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया । आवेदिका द्वारा थाना चोपन की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। धनराशि वापस कराने वाली टीमः- 01. का0 सुनील कुमार, साइबर हेल्प डेस्क थाना चोपन सोनभद्र। नोटः- पिछले लगभग 14 महीनों मे पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (मुख्यालय) के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन के कुशल नेतृत्व मे थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा 35 व्यक्तियों के फ्राड हुए लगभग कुल 6 लाख 14 हजार रुपये पीडितों के मूल खातों मे वापस कराया गया। साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल या नजदीकी थाने पर रिपोर्ट या cybercrime.gov.in पर लॉगिन कर तुरन्त शिकायत दर्ज करायें।

पानी सप्लाई को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कुसाही बढ़ौली पेयजलापूर्ति पंद्रह दिनो से ठप होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने सोमवार को जिला प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा की अगुवाई मे अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचकर विरोध बताया, बीजेपी सरकार मे आम जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानो,की समस्याओं से जुझ ही रही है, अब तो पानी के लिए भी त्रस्त है, हैंडपंप खराब है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है त दो सप्ताह से पेयजलापूर्ति ठप है बार बार जल निगम के अधिकारियों को सूचना देने पर रोज आज कल पानी देने की बात कहते है, लेकिन सभी दावे फेल साबित हो रहा है.श्री मिश्रा ने कहा की बीजेपी सरकार मे जनता पेयजल के लिए परेशान है, कुसाही पेयजलापूर्ति पिछले 15 दिनों से ठप है।गोरारी, बढौली, इमरती , पुसौली, संत नगर, लोधी, उरमौरा, बीचपइ, पेटराही, मे पानी की आपूर्ति होती है,लेकिन अधिकारियों की उदासीनता से पेयजलापूर्ति ठप है. ग्राम पंचायत सचिव पेटराही समस्याओं से अनभिज्ञ है.उन्होंने चेतावनी देते हुआ कहा की ये समस्या कई महिने से चल रहा है, अगर शीघ्र समस्याओं का निदान नहीं हुआ तो जल निगम कार्यालय पर कॉंग्रेस कार्यकर्ता ताला बंदी करेंगे।

दिनकर भूषण चंद की धार,सरहद की निगहबान है हिंदी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दयानंद साहित्य संस्थान के तत्वावधान में हिंदी

दिवस के उपलक्ष्य में साहित्य गोष्ठी का आयोजन कचहरी में रविवार अपराह्न आयोजित किया गया। वाणी वंदना व वाग्देवी के चित्र पर माल्यार्पण दीपदान पश्चात ओज श्रृंगार की श्रेष्ठ कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने दिनकर भूषण चंद की धार, सरहद की निगहबान है हिंदी सुनाकर समसामयिक रचना से सबका मन मोह लिया। कवयित्री दिव्या राय ने हिंदी की दुर्दशा पर नवगीत, घुट घुट कर मैं जी रही हूँ, खून के आंसू पी रही हूँ सुनाकर पीर उकेरा सराही गयीं। कार्य क्रम की अध्यक्षता करते हुए ओज के कवि प्रभात सिंह चंदेल ने,जय जगत जननी जनम भू वीर मातु वसुंधरा सुनाकर आयोजन को मुखरित किया। हास्य कवि सुनिल चौचक ने,बासी भात पर बेना जिनि हौंका, बनल बाप के बिगरल बेटवा एतना मति फौंका सुनाकर खूब हंसाते रहे। संचालन कर रहे गीतकार दिलीप सिंह दीपक ने बुजुर्गों ने लहू देकर रक्खी है आबरू इसकी तुम सब कुछ बेंच दो लेकिन हिंदुस्तान मत बेचो सुनाकर सत्ता को नसीहत दी। राष्ट्रवाद के मुखर स्वर प्रदुम्न त्रिपाठी एड शहीद स्मारक करारी प्रमुख ने बंदूक तोप खंजर की बात मत करिये खूनी मंजर की बात मत करिये सुनाया और समरसता सदभाव को स्वर दिया। शायर अशोक तिवारी ने, खौफ है नहीं कोई धूप में नहाने से, कवि जै राम सोनी ने नीमन नीमन बाति सुना के आगि लगवला पानी में, दिवाकर मेघ ने आदमी के पास से अब जा रहा है आदमी संयोजक दयानंद दयालू ने पर्यावरण पर उजड़ल जाता बाग बगैचा घर लागैला सूना, कवि धर्मेश चौहान एड ने टी बी एवं बीवी हास्य रचना साथ ही देश गीत, चीन पाकिस्तान के लिए महाकाल हैं हम सुनाकर गतिज उर्जा का संचरण किये वाहवाही लूटी। सोन साहित्य संगम के राकेश शरण मिश्र ने ,रक्खो खुद हौसला दिल में वह मंजर भी आयेगा, प्यासे के पास चलकर समंदर भी आयेगा सुनाकर आशा वादी दृष्टिकोण को इंगित किया। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने, तिरंगे में सजे अर्थी बजे धुन राष्ट्र गीतों की जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाकर देश भक्ति का संचार किया। सोन संगीत फाउंडेशन सोनभद्र प्रमुख सुशील मिश्रा की गीत प्रस्तुति करण से महफ़िल रौशन हुई जो सीमां के जवान वीर सैनिकों को समर्पित थी। आभार दयानंद दयालू ने व्यक्त किया आयोजन देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर ऋषभतिवारी अनीषा चौहान हर्ष चौहान फारुख अली गोपाल मोदनवाल पुरुषोत्तम कुशवाहा ठाकुर मौर्य जयशंकर त्रिपाठी एड, संदीप कुमार शुक्ल एड, देवानंद पांडेय एड, आदि लोग रहे और लोकभाषा हास्य श्रृंगार ओज राष्ट्र वाद गीत गजल छंद विभिन्न रसों की कविता सुनकर दाद देते रहे।

माताओं ने पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान को दिया आशिर्वादःसंदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पेड़ हैं तो प्राण हैं के किरहुलिया सिलथम पटना धर्मदासपुर सहित सैकड़ों गावों

अभियान के संयोजक संदीप विधानसभा 401 के कयी गावों में माताओं ने जीवित पुत्रिका ब्रत पर अपने पुत्रो की लम्बी आयु हेतु पेड़ लगाया व संकल्प लिया पेड़ो की अपने पुत्रों की तरह परवरिश करेन्गे दरमा में देनारी में हरथर विरधी बबुरी कजियारी तेनुडाही अकछोर लौवा सोमा में माताओं ने पेड़ लगाया व पेड़ो को बचाने का संकल्प लिया पेड़ लगाने वालो में बरमतिया रेनु चेरो फूलवती धागर मालती खरवार सीमा पाण्डेय रेनु पटेल काजल मौर्या सावित्री बियार बरमतिया तेतरी निरजा कलावती व सैकड़ों माताओं की उपस्थिति रही.

11 जोड़े फिर से मिले, खिल उठीं खुशियों की कलियां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देश पर शनिवार को जनपद सोनभद्र के परिवार न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत उम्मीदों और खुशियों का अनोखा संगम बनी। प्रधान न्यायाधीश राजेन्द्र सिंह (चतुर्थ) की अध्यक्षता में वैवाहिक विवादों के समाधान हेतु विशेष प्रयास किए गए। इस लोक अदालत में कुल 33 मुकदमों का निस्तारण हुआ, जिनमें से 11 जोड़े वर्षों से बिछड़े हुए थे।सुलह-समझौते के बाद सभी जोड़ों ने अपने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को माला पहनाई और मिठाई खिलाकर नए जीवन की शुरुआत की। इस भावुक क्षण के साक्षी न्यायालय कक्ष में मौजूद सभी लोग बने, जहां तालियों की

गड़गड़ाहट और परिजनों की आंखों से छलकते खुशी के आंसू माहौल को अविस्मरणीय बना गए। राजेन्द्र सिंह ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वैवाहिक जीवन आपसी विश्वास, सम्मान और सहयोग से ही सफल होता है। आप सभी का यह नया सफर प्रेम और खुशियों से भरा रहे। इस अवसर पर अधिवक्ता, परिजन और गणमान्य नागरिकों ने इस अनोखे मिलन के गवाह बनकर राष्ट्रीय लोक अदालत को यादगार बना दिया।

डि0इं0 महासंघ ने किया रक्तदान सिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। स्व0 इं0 आर0के0दत्त की पूण्यतिथि एवं अभियन्ता दिवस के अवसर पर उ0प्र0 डि0इं0 महासंघ के बैनर तले जनपद सोनभद्र में हवन-पूजन, गरीब नारायण भोजन, वृक्षारोपण के साथ रक्तदान महादान का कार्यक्रम कराया गया, जिसकी अध्यक्षता महासंघ के जनपद अध्यक्ष इं0 जितेन्द्र कुमार तिवारी एवं संचालन जनपद सचिव इं0 राम प्रवेश पाल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के इस मौके पर महासंघ जनपद अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार तिवारी द्वारा कहा गया कि हम लोक निर्माण विभाग के कार्य के साथ जन कल्याण कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान देते थे, देते है, देते रहेगें, किसी की जीवन रेखा बने, रक्तदान करें, आपके खून की एक बूद किसी और के लिए जीवन की एक आस हो सकती है। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के जनपद अध्यक्ष इं0 संतोष कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है इसमें समाज के हर व्यक्ति को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर सिंचाई सिविल के जनपद अध्यक्ष

इं0 संजय विश्वकर्मा ने कहा कि हम सिंचाई विभाग में सिंचाई कार्यों के साथ रक्तदान महादान जैसे अनमोल कार्यक्रम से हम हमेशा जनहित का कार्य करते रहेगें। इस मौके पर ई0 जनार्दन यादव द्वारा कहा गया कि हम जल निगम विभाग के कार्यों के साथ जन कल्याणकारी कार्यों में अपना योगदान देते रहेगें। इस अवसर पर डिप्लोमा अभियन्ताओं ने यह प्रदर्शित किया कि वे इन्जिनियरिंग कार्यों के साथ-साथ मानव कल्याण हेतु भी समर्पित है। इं0 आर0के0 दत्त की स्मृति में इं0 आशिष कुमार, इं0 जनार्दन यादव, इं0 योगेन्द्र कुमार, इं0 जितेन्द्र कुमार सिंह, इं0 राम टहल, इं0 संतोष कुमार सिंह, इं0 राम प्रवेश पाल, इं0 संजीत कुमार, इं0 अजय कुमार, इं0 जितेन्द्र तिवारी, सूर्यमणि यादव, इं0 धन्जय सिंह मौर्य, इं0 आलोक सिंह, इं0 शैलेश कुमार, इं0 छब्बू लाल, इं0 गोविन्द कुमार शाहू, इं0 शशि शंकर, अनुज श्रीवास्तव, इं0 सिंहेश्वर मणि तिवारी, देव कुमार सिंह, इं0 प्रेम प्रकाश, इं0 सुमित सिंह, इं0 राजेश कुमार, शनि कुमार, इं0 राज कुमार राज, विनोद कुमार मिश्र व आशुतोष कुमार चौबे (शनि) इत्यादि अभियन्ताओं ने रक्तदान किया। इस मौके पर इं0 श्यामधर त्रिपाठी एवं इं0 राकेश कुमार ने अभियन्ताओं का मनोबल बढ़ाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

सीए एसोसिएशन की हुई बैठक आयकर अनुपालन पर लिए संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बीते शनिवार चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

एसोसिएशन की बैठक रॉबर्ट्सगंज के एक होटल में हुई। यह आयकर विभाग के कल के आउटरीच कार्यक्रम से जुड़ी थी, जिसमें अध्याय वाया की कटौती और अग्रिम कर पर चर्चा हुई। सचिव सीए नितेश केशरी और सदस्य सीए पंकज पाठक ने अतिरिक्त आयुक्त अतेसम अंसारी से जिले के पेशेवर विकास पर हुई चर्चा की जानकारी दी। सदस्यों ने संकल्प लिया कि पुरानी व्यवस्था में रिटर्न तभी दाखिल करेंगे जब कटौती के प्रमाण हों, और ग्राहकों को अयोग्य कटौतियों के जोखिमों से अवगत कराएंगे। रिटर्न को कानूनी अनुपालन माना जाएगा, न कि केवल रिफंड का साधन। साथ ही, अग्रिम कर भुगतान के लिए ग्राहकों को प्रेरित करेंगे। एसोसिएशन ने राष्ट्र निर्माण में भागीदारी और आयकर अधिनियम के सख्त पालन का संकल्प दोहराया। अध्यक्ष सीए गिरजा प्रसाद ने कार्यक्रम समन्वय के लिए सीए नितेश केशरी, सीए मनीष गोयल व सीए पूजा अग्रवाल को धन्यवाद दिया। उपस्थित सदस्यः सीए गिरजा प्रसाद (अध्यक्ष), सीए अखिलेश पांडे (उपाध्यक्ष), सीए नितेश केशरी (सचिव), सीए धीरेंद्र अग्रवाल, सीए अजय दुबे, सीए पंकज पाठक, सीए संदीप जयसवाल, सीए अंकित गुप्ता, सीए नारायण जयसवाल, सीए शिवम सिंह, सीए मनीष गोयल, सीए पूजा अग्रवाल। यह बैठक कर अनुपालन मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुई।

नमो मैराथन प्रतियोगिता- मोदी के सपने के लिए दौड़ेगा सोनभद्र

युवाओं को स्वस्थ एवं नशा मुक्त रखने के लिए ले संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर नमो मैराथन

का सोनभद्र में आयोजन किया जा रहा है। जन कल्याण सेवा समिति के तत्वाधान में 16 सितंबर को इस मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें बालको की दौड़ होटल अविनाश से चुर्क बाजार पुलिस लाइन होते हुए सर्किट हाउस तक होगी। वहीं बालिकाओं को चुर्क बाजार से पुलिस लाइन होते हुए सर्किट हाउस तक दौड़ लगानी होगी। बालक वर्ग की दौड़ का शुभारंभ सुबह 8:30 बजे जिलाधिकारी बद्रीनाथ सिंह के द्वारा किया जाएगा।और बालिकाओं की दौड़ का शुभारंभ सुबह 9:00बजे मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक व सचिव जन कल्याण सेवा समिति डॉक्टर धर्मवीर तिवारी ने बताया कि पूर्वांचल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली इस अनोखी मैराथन यात्रा का उद्देश्य नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना है। यह मैराथन सोनभद्र के विकास के विजन को पूरा करेगी। फिट इंडिया के समर्थन में होने वाली यह मैराथन दौड़ क्षेत्र के युवाओं को स्वस्थ एवं नशा मुक्त रखने के लिए आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल व विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गौड़ होंगे। इस दौड़ का प्रथम पुरस्कार 21000 रुपये द्वितीय पुरस्कार रु11000 तृतीय पुरस्कार 5100 व सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1100 रुपए 7 प्रतिभागियों को प्रदान किया जाएगा। मैराथन में भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी को टी-शर्ट एवं प्रस्तुत प्रशस्ति पत्र भी वितरित किया जाएगा। जानकारी संस्था के सचिव डॉक्टर धर्मवीर तिवारी ने पीडब्ल्यूडी डाक बंगले में एक प्रेस वार्ता के दौरान प्रदान की।इस दौरान संस्था के सदस्य आनंद मिश्रा प्रमोद गुप्ता, श्याम द्विवेदी, मनीष अग्रहरी, अरविंद पाण्डेय,आशीष त्रिपाठी,सभासद विनोद सोनी आदि उपस्थित रहे।

सेवारत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त करने की माँग

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर पूरे देश में एक साथ दिया गया ज्ञापन सौंपा गया। देशभर के लाखों शिक्षकों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले 01 सितम्बर 2025 के उच्चतम न्यायालय के टीईटी संबंधी निर्णय पर तत्काल हस्तक्षेप हेतु अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आवाहन पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ. प्र. ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। मण्डल अध्यक्ष अखिलेश वत्स व जिलाध्यक्ष अशोक कुमार त्रिपाठी ने बताया कि एबीआरएसएम के तत्वाधान में 15 सितम्बर को पूरे भारत में एक साथ जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमन्त्री को ज्ञापन भेजा गया है। वैध नियमों के अंतर्गत नियुक्त अनुभवी शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित करने और लाखों शिक्षकों को सेवा समाप्ति अथवा आजीविका संकट से बचाने हेतु आवश्यक नीतिगत अथवा विधायी कदम शीघ्र उठाए जाने की माँग की। जिला महामंत्री इंदु प्रकाश सिंह व गणेश पांडेय ने बताया कि माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार सभी सेवारत शिक्षकों के लिए उनकी नियुक्ति की तिथि चाहे जो भी हो टीईटी को अनिवार्य कर दिया गया है। इस निर्णय ने देशभर के लाखों शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा और आजीविका को संकट में डाल दिया है। रवि भूषण सिंह व धीरेन्द्र पति त्रिपाठी ने कहा कि टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों की जिन्हें टीईटी से छूट दी गई थी। उनका टीईटी अब लेना अन्याय है । अखिलेश गुंजन ने कहा माननीय उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय से देशभर में लगभग 20 लाख से अधिक शिक्षक गहन चिंता और असमंजस की स्थिति में हैं। रविन्द्र चौधरी ने कहा न्यायालय इस निर्णय को वापस ले।टीईटी लागू होने से इसके पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर इसका प्रभाव न पड़ना न्यायसंगत होगा। जय प्रकाश राय व अभिषेक मिश्र ने बताया कि इस समस्या के समाधान होने तक निर्णायक आंदोलन चलता रहेगा। राज मौर्य ने कहा कि ऐसे निर्णय से शिक्षक समाज में गहरा असंतोष है।वकील अहमद व रविन्द्र बहादुर सिंह प्रत्येक शिक्षक की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समस्त शैक्षिक संगठन कटिबद्ध व प्रतिबद्ध है। दिनेश दुबे अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने इस समस्या के समाधान तक निर्णायक संघर्ष करने की घोषणा की है। इस अवसर पर रविकांत मौर्य, राजेश वैश, कमलेश विश्वकर्मा, अरूणेश पांडेय, ममता पाण्डेय,मेघा सौनकिया, कमलेश कुमारी,सिंधु मिश्रा,शिव कुमार, नागेन्द्र सिंह, रितेशजायसवाल, अनिल गुप्ता, संजय सिंह, दिवाकर तिवारी,संजय मिश्रा,विजयानंद,शिवशंकर,संजीव द्विवेदी उपस्थित रहें।

सूर्या ने जीत भारतीय सेना को समर्पित की,पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया-पहले से तय था,दुबई स्टेडियम में 'भारत माता की जय' के नारे गूंजे

दुबई। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जीत भारतीय सेना को समर्पित कर दी। सूर्या और टीम इंडिया का मैसेज साफ था कि यह जीत

देश के जवानों को सम्मान देने के लिए है। पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीमें आमने-सामने थी। खास बात यह रही कि मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया। इससे पहले टॉस के वक्त भी सूर्या ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टॉस के वक्त और मैच के बाद प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों का हाथ-मिलाना कर्टसी माना जाता है। मतलब एक-दूसरे के लिए सम्मानजनक व्यवहार। भारतीय टीम ने संदेश दे दिया कि एशिया कप में खेलना इस टूर्नामेंट के लिए उसका कमिटमेंट है, लेकिन पाकिस्तानी खिलाड़ियों से कर्टसी निभाने का उनका कोई इरादा नहीं है। भारत ने खेल में भी कोई कर्टसी नहीं दिखाई और एकतरफा अंदाज में पाकिस्तान को हराया। इंडिया बनाम पाकिस्तान मैच के टॉप-13 मोमेंट्सः 1. सूर्या ने कहा- हम पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों के साथ- रविवार को सूर्यकुमार यादव का 35वां जन्मदिन था और स्टेडियम में फैंस ने उन्हें बधाई दी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में होस्ट संजय मांजरेकर ने उनके लिए हैप्पी बर्थ-डे सॉन्ग भी गया। सूर्या ने शुक्रिया अदा करते हुए कहा यह जीत भारत को रिटर्न गिफ्ट है। प्रजेंटेशन के अंत में सूर्या ने कहा, हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता दिखाते हैं और आज की जीत हम इंडियन आर्म्ड फोर्स को डेडिकेट करते हैं। 2. सिक्स के साथ दिलाई जीत, पाकिस्तानी प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया- 16वें ओवर की पांचवीं बॉल पर सूर्यकुमार यादव ने सिक्स लगाकर मैच जिताया। उन्होंने सुफियान मुकीम की बॉल पर लॉन्ग ऑन के ऊपर से सिक्स लगाया। ??मैच जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हाथ नहीं मिलाया। 3. भारतीय फैंस ने भारत माता की जय के नारे लगाए- भारतीय पारी के 8वें ओवर के बाद इंडियन फैंस ने टीम को सपोर्ट करते हुए 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। इस समय भारत को जीत के लिए 57 रन की जरूरत थी। स्टेडियम में करीब 70% फैंस भारतीय टीम के सपोर्टर थे। 4. टॉस के वक्त कप्तानों की नजरें तक नहीं मिली- टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने हाथ नहीं मिलाया। दोनों ने एक-दूसरे से नजरें भी नहीं मिलाईं। इंटरनेशनल मैचों में टॉस के बाद दोनों कप्तानों के हाथ मिलाने की परंपरा रही है। 5. पंड्या ने पहले ओवर में विकेट दिलाया- हार्दिक पंड्या ने भारत को पहले ही ओवर में विकेट दिलाया। उनकी पहली बॉल वाइड रही। फिर पंड्या ने ऑफ स्टंप के बाहर लेंथ बॉल डाली। इसे सईम अयूब ने पॉइंट पर खेल दिया। जहां जसप्रीत बुमराह ने कैच पकड़ लिया। सईम अयूब खाता भी नहीं खोल सके। वे लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट हुए। पंड्या के इस ओवर से 5 रन आए। 6. फखर रिव्यू लेकर आउट होने से बचे- जसप्रीत बुमराह के ओवर में फखर जमान रिव्यू लेकर आउट होने से बचे। ओवर की चौथी बॉल बुमराह ने इनस्विंगिंग यॉर्कर डाली, जो फखर के पैर पर लगी। यहां उन्हें फील्ड अंपायर ने एलबीडब्लू दिया। बैटर फखर ने रिव्यू लिया। रिप्ले में दिखा कि बॉल लेग स्टंप के बाहर पिच हो रही थी। ऐसे में फील्ड अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। इसी ओवर की तीसरी बॉल पर बुमराह ने मोहम्मद हारिस को हार्दिक पंड्या के हाथों कैच कराया। बुमराह ने गुड लेंथ बॉल डाली, जिस पर हारिस ने लेग साइड पर बड़ा शॉट खेलना चाहा। यहां टाइमिंग सही नहीं रही। बॉल डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर खड़ी हो गई। जहां हार्दिक पंड्या ने दौड़ते हुए कैच पकड़ा। 7. सलमान आगा को जीवनदान, अगले ओवर में आउट- 9वें ओवर की दूसरी बॉल पर पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा रिव्यू लेकर आउट होने से बचे। वरुण चक्रवर्ती की 94 किमी रफ्तार की गुगली बॉल पर आगा ने स्वीप शॉट खेला। बॉल, बैट से कनेक्ट नहीं हुई और आगा के पैड पर जा लगी। यहां अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। आगा ने रिव्यू लिया और हॉक-आई के मुताबिक, गेंद बैट को चकमा देकर लेग स्टंप के बाहर निकल रही थी। पाकिस्तान का यह दूसरा सफल रिव्यू रहा। हालांकि, 10वें ओवर की आखिरी बॉल पर अक्षर पटेल ने सलमान आगा को 3 रन पर आउट कर दिया। 8. कुलदीप ने कैच छोड़ा, अगली दो बॉल पर दो विकेट लिए- 13वें ओवर की लगातार दो बॉल पर चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने दो मौके बनाए। कुलदीप ने ओवर की तीसरी बॉल शॉर्ट ऑफ लेंथ की फेंकी। हसन नवाज ने सामने की तरफ शॉट खेला। कुलदीप ने खुद की बॉल पर डाइव लगाई, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। अगली ही बॉल पर कुलदीप ने हसन को आउट कर दिया। इस बार हसन ने फुल लेंथ बॉल पर स्वीप शॉट खेला। बॉल, बैट पर सही से कनेक्ट नहीं हुई और अक्षर पटेल ने आसान-सा कैच लपक लिया। ओवर की पांचवीं बॉल पर कुलदीप ने ओवर का दूसरा विकेट भी निकाला। उन्होंने मोहम्मद नवाज को शून्य के स्कोर पर एलबीडब्लू आउट कर दिया। 9. साहिबजादा फरहान को जीवनदान 14वें ओवर की दूसरी बॉल पर पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज साहिबजादा फरहान रिव्यू लेकर आउट होने से बचे। यहां फरहान ने अक्षर पटेल की फुल लेंथ बॉल पर डिफेंस किया था। बॉल उनके पैड पर लगी। भारतीय प्लेयर्स की अपील पर अंपायर ने आउट दे दिया। फरहान ने रिव्यू लिया और रिप्ले में पता चला कि बॉल लेग स्टंप मिस कर रही थी। 10. अभिषेक ने चौके से खाता खोला- 128 रन का टारगेट चेज कर रही भारतीय टीम की शुरुआत ओपनर अभिषेक शर्मा ने चौके के साथ की। उन्होंने शाहीन शाह अफरीदी के पहले ओवर की पहली दो बॉल पर बाउंड्री लगाई। उन्होंने पहली बॉल पर चौका और दूसरी बॉल पर सिक्स लगा दिया। 11. लगातार 2 चौके लगाने के बाद गिल स्टंपिंग आउट हुए- दूसरे ओवर में भारत ने अपना पहला विकेट गंवाया। सईम अयूब ने ओवर की आखिरी बॉल बाहर की तरफ फेंकी। गिल आगे निकलकर शॉट खेलना चाहते थे, लेकिन वे यहां चूक गए और विकेटकीपर मोहम्मद हारिस ने उन्हें स्टंपिंग आउट कर दिया। गिल 10 रन बनाकर आउट हुए। विकेट से पहले गिल ने लगातार 2 चौके लगाए थे। 12. तिलक ने 98 मीटर का सिक्स लगाया- 10वें ओवर की पहली बॉल पर तिलक वर्मा ने 98 मीटर लंबा सिक्स लगा दिया। सुफियान मुकीम ने बॉल हवा में फेंकी। तिलक ने एक घुटने पर बैठकर स्लॉग स्वीप खेला और बॉल स्टेडियम के दूसरे टियर में बैठे दर्शकों के पास पहुंची दी। 13. नवाज से तिलक का कैच छूटा- 11वें ओवर में तिलक वर्मा को जीवनदान मिला। खुद की ही बॉलिंग पर मोहम्मद नवाज से तिलक का आसान-सा कैच छोड़ दिया। तिलक ने ओवर की चौथी बॉल पर गलती से गेंदबाज की दिशा में शॉट खेल दिया, लेकिन नवाज कैच पकड़ नहीं सके। उन्होंने बॉल को पकड़ने के तीन प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी ओवर में सूर्यकुमार यादव एलबीडब्लू होने से बच गए। यहां पाकिस्तान ने रिव्यू भी गंवा दिया।

टॉस के वक्त ही तय हो गई भारत की जीत,पाकिस्तान ने कीं तीन बड़ी गलतियां,'जो एक बार गलती करे वो नादान और जो बार-बार गलती करे वो टीम पाकिस्तान।'

दुबई। 2011 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत से हारने के बाद एक दुखी पाकिस्तानी फैन ने यह जुमला दिया था। रविवार को दुबई में भारत के खिलाफ एशिया कप के मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने अपने फिर सही साबित कर दिया। पाकिस्तान ने इस मुकाबले में तीन बड़ी गलती थी और शानदार फॉर्म में चल रही टीम इंडिया ने तीनों का बखूबी फायदा उठाया। इनमें से एक गलती तो मैच की पहली गेंद फेंके जाने से भी पहले हो गई थी और संभवतः उसी वक्त पाकिस्तान की हार भी तय हो गई। पाकिस्तान की तीनों गलतियों को विस्तार से जानेंगे उससे पहले बतौर भारतीय फैन गर्व करने लायक एक रिकॉर्ड जान लीजिए। भारत की यह जीत इंटरनेशनल क्रिकेट में पाकिस्तान के ऊपर लगातार छठी जीत है। पाकिस्तान के साथ भारत की क्रिकेट राइवलरी 73 साल पुरानी है और इतने सालों में पहली बार भारतीय टीम ने इस प्रतिद्वंद्वी पर जीत का सिक्सर जमाया है। यानी पहली बार पाकिस्तान के ऊपर लगातार 6 मैचों में जीत। पाक टीम की गलतियां जिसने भारत की जीत तय कर दी- पहली गलतीः जहां 18 में से 16 मैच चेजिंग टीम ने जीते वहां पहले बैटिंग चुनी दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड की पिच पर टारगेट का पीछा करने वाली टीम को बहुत ज्यादा फायदा मिलता है। पिछले पांच सालों में दुनिया की टॉप-12 टीमों के बीच यहां खेले गए पिछले 18 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में से 16 में टारगेट चेज करने वाली टीम ने जीत हासिल की थी। पाकिस्तान की टीम पिछले 13 साल में भारत को सिर्फ दो टी-20 मैचों में हरा पाई थी। उसे यह दोनों जीत भी इसी ग्राउंड पर दूसरी पारी में बैटिंग करते हुए मिली थी। इसके बावजूद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला कर लिया। इरफान पठान, अजय अडेजा, संजय मांजरेकर जैसे कमेंटेटर्स ने सलमान के इस फैसले पर हैरानी जताई। पाकिस्तान ने बैटिंग का फैसला क्यों किया इसके पीछे सीधे-सीधे कोई लॉजिक समझ नहीं आता। पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के पिछले मुकाबले को भी याद रखता तो शायद इस गलती से बच सकता था। दुबई में ही खेले गए उस वनडे मैच में भी

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी और उसे भारत ने एकतरफा अंदाज में हराया था।दूसरी गलतीः टॉप विकेट टेकर हारिस रउफ को प्लेइंग-11 से बाहर रखा पाकिस्तान के एशिया कप स्क्वॉड में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा सात विकेट तेज गेंदबाज हारिस रउफ के नाम था। इसके बावजूद पाकिस्तानी थिंक टैंक ने अपने सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी के सामने अपने सबसे कामयाब गेंदबाज को ही प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया। शाहीन शाह अफरीदी शुरुआत में ही पिट गए और दूसरे छोड़ से कोई दमदार फास्ट बॉलर न होने का खामियाजा पूरी टीम ने भुगता। तीसरी गलतीः टुकटुक बैटिंग- इस वजह से कभी मुकाबले में नहीं आया पाकिस्तान मॉर्डन टी-20 का फलसफा है कि भले ही विकेट गिरे बैटिंग में अटैक जारी रखो। पाकिस्तान इसे फॉलो करने में पूरी तरह फेल रहा। 6 रन पर पाकिस्तान के दो विकेट गिर गए और इसके बाद उसके बल्लेबाज डिफेंसिव मोड पर उतर आए। फखर जमान और साहिबजादा फरहान ने तीसरे विकेट के लिए 39 रन की पार्टनरशिप जरूर की लेकिन इसके लिए उन्होंने 38 गेंदें खपा दीं। यानी करीब 6 रन प्रति ओवर की दर से बल्लेबाजी। यह रन रेट आजकल वनडे क्रिकेट में भी धीमा माना जाता है। एक दिन पहले ही इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 मैच में 15 के रन रेट से बल्लेबाजी करते हुए 300 पार का स्कोर बनाया था। बैटिंग के लिए पाकिस्तान की पूरी एकादश क्रीज पर उतरी लेकिन 6 बल्लेबाज 100 का स्ट्राइक रेट भी हासिल नहीं कर पाए। इस रवैये का नतीजा यह रहा कि न तो पाकिस्तान पर्याप्त रन बना पाया और न ही विकेटों का पतझड़ रोक पाया। अगर नंबर 9 बल्लेबाज शाहीन शाह अफरीदी ने 16 गेंदों पर 33 रन न बनाए होते तो पाकिस्तान का 100 का आंकड़ा भी पार करना मुश्किल हो जाता। भारत ने पहले से लेकर आखिरी गेंद तक दबाव बनाए रखा ऐसा नहीं है कि सिर्फ पाकिस्तान की गलतियों की वजह से भारत जीता। इस मैच में टीम इंडिया की हर रणनीति सटीक साबित हुई। मैच की पहली से लेकर आखिरी गेंद तक भारतीय टीम ने पाकिस्तान को जकड़ कर रखा और अंत में उसकी उम्मीदों का दम घोटकर शानदार जीत हासिल की। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने मैच की पहली लीगल गेंद पर विकेट ले लिया। इससे पहले एक गेंद वाइड रही थी। अगले ही ओवर में बुमराह को भी विकेट मिल गया। पावरप्ले में पाकिस्तान सिर्फ 42 रन बना सका। इसके बाद भारतीय स्पिनर्स ने मोर्चा संभाला। वैसे तो मिस्ट्री स्पिनर का तमगा सिर्फ वरुण चक्रवर्ती के नाम है लेकिन इस मैच में भारत के तीनों फिरकी गेंदबाज पाकिस्तानी बल्लेबाजों के लिए पहेली साबित हुए। कुलदीप ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर तीन विकेट लिए। अक्षर ने भी अपनी 24 गेंदों पर महज 18 रन दिए और दो विकेट लिए। वरुण को 1 विकेट मिला और उन्होंने अपने चार ओवर में केवल 24 रन खर्च किए। पाकिस्तान को 127 रन पर रोकने के बाद भारत के लिए राह आसान थी। वैसे तो शुभमन गिल महज 10 और अभिषेक शर्मा 31 रन रन बनाकर आउट हुए लेकिन इनका स्ट्राइक रेट 142 और 238 का रहा। पावरप्ले में भारत ने 61 रन बना लिए। यह पाकिस्तान के खिलाफ किसी टी-20 पारी के पहले 6 ओवर में भारत का दूसरा सबसे बड़ा टोटल है। इसके बाद सूर्या, तिलक और शिवम दुबे ने भी 100 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की और 25 गेंद बाकी रहते ही टूर्नामेंट में टीम को लगातार दूसरी जीत दिला दी। दो मैचों में लगातार दो जीत के साथ भारतीय टीम ने एशिया कप के सुपर-4 में भी अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। भारत 4 पॉइंट्स के साथ टेबल टॉपर है। भारत का आखिरी लीग मैच 19 सितंबर को ओमान से होगा।

फर्जी खेल प्रमाण पत्र पर हरियाणा में एक्शन,76 सर्टिफिकेट संदिग्ध, 2018-22 के बीच बने, कुछ अधिकारी भी शामिल

पंचकूला। हरियाणा में सरकारी नौकरी पाने के लिए कई लोग फर्जी खेल प्रमाण पत्र बनवा रहे थे। इस पर अब हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन ने सख्ती दिखाते हुए कदम उठाया है। संघ ने प्रदेश की सभी खेल एसोसिएशनों और जिला खेल अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि अब किसी भी खिलाड़ी को खेल प्रमाण पत्र जारी करते समय उसकी जन्मतिथि और आधार कार्ड नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही खिलाड़ी के माता-पिता का नाम भी प्रमाण पत्र में लिखा जाएगा। इतना ही नहीं, मैरिट में आने वाले खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र की सही तरीके से जांच की जाएगी और तभी उनका वितरण किया जाएगा। इस पहल के बाद फर्जीवाड़ा करने वालों के रास्ते बंद हो जाएंगे और केवल असली खिलाड़ियों को ही इसका फायदा मिल सकेगा।सरकारी नौकरियों में फर्जी खेल प्रमाण पत्र को लेकर सरकार के पास लगातार शिकायतें पहुंचीं। इसके बाद तत्कालीन खेल महानिदेशक संजीव वर्मा ने जांच कराई, तो पता चला कि 76 खेल ग्रेडेशन सर्टिफिकेट संदिग्ध हैं। खेल निदेशालय की ग्रेडेशन वैरिफिकेशन कमेटी ने इन सभी प्रमाण पत्रों को फर्जी मानते हुए रद्द करने की सिफारिश की है। हैरानी की बात यह है कि जिन खेल उप निदेशकों को ग्रेड सी और ग्रेड डी के इन प्रमाण पत्रों को रद्द करने के आदेश दिए गए हैं, वही अधिकारी इन फर्जी सर्टिफिकेटों को जारी करने में शामिल पाए गए थे। इन खेल प्रमाण पत्रों के आधार पर खेल कोटे से सरकारी नौकरियां प्राप्त की जाती रही हैं। खेल उप निदेशक मंजीत सिंह की ओर से अंबाला, रोहतक, गुरुग्राम तथा हिसार के खेल उप निदेशकों को संदिग्ध सर्टिफिकेट वाले 76 खिलाड़ियों की सूची भेजते हुए कहा गया था कि उनके कार्यालयों की ओर से जारी ग्रेडेशन सर्टिफिकेट की निदेशालय में गठित ग्रेडेशन वेरिफिकेशन कमेटी ने जांच की। जांच में इन प्रमाण पत्रों को नियमों के विरुद्ध पाया गया है। यह सभी सर्टिफिकेट साल 2018 से 2022 के बीच जारी हुए हैं। खेल कोटे से मिली सरकारी नौकरी- हरियाणा सरकार ने खेल कोटे के तहत खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां प्रदान करने की नीति बना रखी है। इस पॉलिसी में समय-समय पर राज्य सरकारें अपनी सुविधा अनुसार बदलाव करती रही हैं। विभिन्न प्रकार के खेलों में भागीदारी व मेडल हासिल करने के आधार पर खिलाड़ियों के ग्रेडेशन सर्टिफिकेट दिए जाते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार कई विभागों में खेल कोटे के तहत दी जाने वाली नौकरियों को बहाल कर चुकी है। खेल विभाग में सीधे डिप्टी डायरेक्टर नियुक्त करने की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की सरकार में हुई थी। हुड्डा सरकार ने किए थे सीधे भर्ती- पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ओलिंपिक, कॉमनवेल्थ व एशियाई खेलों के विजेताओं को पुलिस में सीधे डीएसपी, इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर लगाने की शुरुआत की थी। मनोहर सरकार के पहले कार्यकाल में इस पॉलिसी में संशोधन कर पदक विजेता खिलाड़ियों को एचपीएस के अलावा एचसीएस लगाने का भी निर्णय लिया गया था। मनोहर सरकार में हुए नए पद सृजित- हरियाणा में मनोहर पार्ट-टू सरकार में पार्ट-वन सरकार के फैसले को बदल दिया गया था। तब खेल विभाग में ही डिप्टी डायरेक्टर के नए पद सृजित किए गए थे। अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कई विभागों में खेल कोटे की नौकरियां बहाल कर दी हैं। जिन खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र रद्द होंगे, उन्हें अब हरियाणा की 25 मई 2018 को अधिसूचित संशोधित खेल नीति के अनुसार अपना प्रमाण पत्र बनवाना होगा। 27 खिलाड़ियों के पास ग्रेड-सी के फर्जी सर्टिफिकेट- खेल उपनिदेशकों के अलावा खेल विभाग की ओर से 15 जिलों के जिला खेल अधिकारियों को भी इन संदिग्ध प्रमाण पत्रों वाले खिलाड़ियों की सूची भेजी गई है। इन जिलों में भिवानी, चरखी दादरी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, नारनौल, पलवल, पानीपत, रोहतक व सोनीपत शामिल हैं। जिन 76 खिलाड़ियों के ग्रेडेशन सर्टिफिकेट पर सवाल उठाए गए हैं, उनमें 27 खिलाड़ियों के पास 'ग्रेड-सी' के सर्टिफिकेट हैं और बाकी के पास 'ग्रेड-डी' के सर्टिफिकेट हैं।

स्टोरी बॉक्सिंग में गोल्ड जीतने वाली मीनाक्षी की, पिता से छुपकर जाती थीं स्टेडियम, मां ने दूध बेचकर किया सपोर्ट

रोहतक। रोहतक के गांव रूड़की की मीनाक्षी हुड्डा ने वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप जीतकर गांव,

प्रदेश और पूरे देश का मान बढ़ाया है। मीनाक्षी एक साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता श्रीकृष्ण हुड्डा ऑटो चलाते हैं और मां सुनीता देवी गृहिणी हैं, जो दूध बेचकर घर का खर्चा चलाती हैं। चार भाई-बहनों में सबसे छोटी मीनाक्षी आज पूरे देश का गर्व बन गई हैं। उनकी जीत से गांव में भी जश्न और खुशी का माहौल है।मां सुनीता देवी ने बताया कि शुरुआत में मीनाक्षी के पिता मना करते थे कि बेटी को बाहर नहीं भेजना। गांव वालों के प्रेशर में आकर हमेशा मना करते थे। लेकिन उन्हें बेटी पर विश्वास था कि एक दिन बेटी उनका नाम रोशन करेगी और बेटी के मन में जो इच्छा है, उसे पूरा करना चाहिए।सुनीता देवी ने बताया कि जब मीनाक्षी के पिता श्रीकृष्ण हुड्डा काम पर जाते, तो पीछे से मीनाक्षी प्रैक्टिस करने के लिए स्टेडियम चली जाती। शुरुआत के करीब 4 महीने तक ऐसा ही चलता रहा। उसके बाद जब मीनाक्षी के पिता को पता चला तो काफी गुस्सा किया, लेकिन बाद में कोच विजय हुड्डा व उनके कहने पर मीनाक्षी के पिता मान गए। मीनाक्षी की मां सुनीता देवी ने बताया कि शादी के बाद उन्होंने घर संभालने के साथ-साथ पशु पाले और दूध बेचकर परिवार का गुजारा किया। बड़ी बेटियों की शादी हो चुकी थी, लेकिन सबसे छोटी मीनाक्षी के लिए उन्होंने अलग सपने देखे। मीनाक्षी खेलों में आगे बढ़ना चाहती थी, इसलिए मां ने उसे प्रोत्साहित किया। शुरुआत में मीनाक्षी ने हैंडबॉल खेला, लेकिन बॉक्सिंग में हाथ आजमाने के बाद उसने ठान लिया कि वही करेगी। इसके बाद उसने बॉक्सिंग को ही अपना पैशन बना लिया और चैंपियनशिप से पहले दिन में तीन बार कड़ी प्रैक्टिस की। सुनीता देवी बताती हैं कि जब मीनाक्षी पहली बार मेडल जीतकर आई तो लोगों की सोच बदलने लगी। उसके बाद पिता श्रीकृष्ण हुड्डा ने भी पूरी तरह उसका साथ देना शुरू किया। ग्रामीणों की बातों की परवाह न करते हुए उन्होंने मीनाक्षी को बाहर खेलने भेजा और आज उसकी मेहनत और जीत से पूरा परिवार और गांव गर्व महसूस कर रहा है। मीनाक्षी के पिता श्रीकृष्ण हुड्डा ने कहा कि वह 30 साल से किराए पर ऑटो लेकर चला रहे हैं। 2022 में बेटी मीनाक्षी भारतीय तिब्बत पुलिस में नौकरी लगी तो बेटी ने ही पुराना ऑटो खरीदकर उसे दिया था। जब मीनाक्षी पहली बार बॉक्सिंग के लिए खेलने गई तो ग्रामीणों ने काफी एतराज किया। श्रीकृष्ण हुड्डा ने कहा कि ग्रामीण कहते कि बेटी को कहां खेलने भेज रहे हो, यह क्या करेगी। नाक तुड़वा लेगी, फिर शादी कैसे होगी। बेटी को बाहर मत भेज, लेकिन उन्होंने ग्रामीणों की परवाह नहीं की और बेटी को चैंपियनशिप के लिए भेजते रहे। श्रीकृष्ण हुड्डा ने कहा कि मीनाक्षी ने अनेक प्रतियोगिताओं में मेडल हासिल किए और जो लोग मीनाक्षी के खेलने का विरोध करते थे, बाद में वो उसकी तारीफ करने लगे। जब मीनाक्षी कर कल फाइनल मुकाबला था तो वह देख नहीं पाए और ऑटो चला रहे थे। करीब 5 बजे बेटे का फोन आया कि मीनाक्षी जीत गई। इसके बाद वह भावुक हो गए और खुशी के मारे घर की तरफ चल पड़े।मीनाक्षी के बड़े भाई रोहित हुड्डा ने बताया कि मीनाक्षी का वर्ल्ड चैंपियन बनने तक का सफर आसान नहीं था। 2013 में पहली बार मीनाक्षी बॉक्सिंग रिंग में प्रैक्टिस के लिए उतरी।

क्या आपको बहुत ज्यादा जम्हाई आती है:हो सकता है इन 7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

नयी दिल्ली। जम्हाई लेना हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह अक्सर थकान, नींद या बोरियत की वजह से होती है। लेकिन अगर लगातार और बिना

किसी वजह के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो यह हार्ट डिजीज से लेकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर तक किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना तो सामान्य है। लेकिन अगर नियमित रूप से बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि कुछ आसान उपायों से इससे राहत मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, जम्हाई आराम की भावना से जुड़ी होती है। इसे लंबे समय से बोरियत का संकेत माना जाता रहा है। यह संक्रामक भी है क्योंकि जम्हाई के बारे में देखने, सुनने, पढ़ने या यहां तक कि सोचने से भी जम्हाई आ सकती है। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से। सवाल जवाब के माध्यम से- सवालः जम्हाई क्या है? जवाब- जम्हाई वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपना मुंह चौड़ा खोलकर गहरी सांस अंदर लेता हैं और फिर छोड़ता है। यह ज्यादातर अनजाने में होती है यानी इसे रोकना मुश्किल होता है। अंग्रेजी में इसे ऑसीटेशन कहा जाता है। एक जम्हाई लगभग 4-7 सेकेंड तक चलती है और इसमें गले, मुंह और चेहरे की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह अक्सर थकान, नींद या ऊब के कारण होती है। सवाल- उबासी या जम्हाई आने के क्या कारण हैं? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं, जो अक्सर शरीर और ब्रेन की जरूरतों से जुड़े होते हैं। नींद की कमी- जब पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो शरीर थकान महसूस करता है। इस थकान को दूर करने और शरीर को जगाए रखने के लिए उबासी आती है। मानसिक थकान या बोरियत- जब आप किसी नीरस काम में लगे होते हैं या दिमाग थक जाता है तो उबासी आ सकती है। यह दिमाग को फिर से एक्टिव करने का एक तरीका हो सकता है।ऑक्सीजन की कमी- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने पर भी उबासी आती है ताकि फेफड़ों में ज्यादा हवा भरी जा सके और ब्रेन तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंच सके। संक्रामक उबासी- किसी दूसरे व्यक्ति को उबासी लेते हुए देखने या सुनने पर हमें भी उबासी आ सकती है। यह सामाजिक व्यवहार का एक हिस्सा माना जाता है। कुछ दवाओं के कारण- कुछ खास दवाएं जैसे कि डिप्रेशन या दर्द की दवाएं भी उबासी का कारण बन सकती हैं।सवाल- बहुत ज्यादा जम्हाई किन स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकती है? जवाब- भले ही जम्हाई आने के सबसे आम कारण थकान, सुस्ती या बोरियत हों। लेकिन यह कुछ अंदरूनी समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। ऑक्सीजन की कमी- फेफड़ों से जुड़ी बीमारी या स्लीप एप्निया जैसी स्थितियां शरीर में ऑक्सीजन के लेवल को कम कर सकती हैं, जिससे ज्यादा ऑक्सीजन लेने के लिए बार-बार जम्हाई आती है। आयरन की कमी- शरीर में आयरन की कमी होने पर खून में ऑक्सीजन का संचार ठीक से नहीं हो पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए शरीर ज्यादा जम्हाई लेता है। मेटाबॉलिक या लिवर प्रॉब्लम्स- लिवर फेलियर या मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी भी ज्यादा थकान और जम्हाई का कारण बन सकती है। हार्ट संबंधी समस्याएं- कुछ मामलों में बहुत ज्यादा जम्हाई का संबंध हार्ट डिजीज से हो सकता है। यह वेगस नर्व के उत्तेजित होने के कारण हो सकता है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर- मिर्गी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस या ब्रेन ट्यूमर जैसे न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर भी ब्रेन के संकेतों को प्रभावित कर सकती हैं। इससे जम्हाई की प्रक्रिया असामान्य हो जाती है। स्लीप डिसऑर्डर-स्लीप एन्निया के कारण भी बार-बार जम्हाई आ सकती है क्योंकि शरीर को अनिद्रा या दिन के दौरान अचानक आने वाली नींद से जूझना पड़ता है। मेंटल हेल्थ इशू- एंग्जाइटी या स्ट्रेस भी बार-बार जम्हाई का कारण बन सकते हैं क्योंकि शरीर भावनात्मक तनाव पर प्रतिक्रिया करता है। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- अगर जम्हाई के साथ कुछ अन्य लक्षण भी हों तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। जैसेकि- सीने में दर्द, चक्कर आना या सांस लेने में दिक्कत होना। कमजोरी, सुन्नता या अचानक संतुलन खोना। धुंधला दिखना, कन्फ्यूजन या बोलने में लड़खड़ाहट होना। गंभीर सिरदर्द या बेहोश होना। सवाल- कौन सी चीजें जम्हाई को ट्रिगर कर सकती हैं? जवाब- थकान, भूख, तनाव और किसी को जम्हाई लेते देखना, ये सभी जम्हाई को ट्रिगर करते हैं। सवाल- जम्हाई लेते वक्त कभी-कभी आंखों से पानी क्यों निकलता है? जवाब- जम्हाई के दौरान चेहरे की मांसपेशियां जोर से खिंचती हैं। जब ये मांसपेशियां खिंचती हैं तो आंखों के पास मौजूद आंसू की ग्रंथियों पर दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण ग्रंथियों से आंसू निकलने लगते हैं। सवाल- अगर जम्हाई ज्यादा आती है तो इससे राहत पाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- अगर बिना किसी खास कारण के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो कुछ आसान उपायों से इसे कम कर सकते हैं।सवाल- एक दिन में कितनी बार जम्हाई लेना सामान्य है? जवाब- आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति दिन में 5 से 10 बार जम्हाई लेता है, जिसे सामान्य माना जाता है। हालांकि यह संख्या हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। यह समय, थकान, नींद की पर निर्भर है। अगर दिन में 15 मिनट के अंदर 3 से ज्यादा बार जम्हाई आती है या यह इतनी ज्यादा है कि रोजमर्रा के काम में रुकावट आने लगे तो इसे असामान्य माना जा सकता है। सवाल- बहुत ज्यादा उबासी का इलाज कैसे किया जाता है? जवाब- डॉक्टर इसके पीछे के असल कारण का पता लगाकर सही इलाज की सलाह देते हैं। अगर जम्हाई किसी अंदरूनी बीमारी के कारण आ रही है तो डॉक्टर उस बीमारी का इलाज करेंगे। अगर जम्हाई किसी दवा के साइड इफेक्ट के कारण है तो डॉक्टर उस दवा की खुराक कम कर सकते हैं या कोई दूसरी दवा लिख सकते हैं।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान

के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो

वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने

मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरु किया और फिर इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से

उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम

संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना

चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम 16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त

वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों

का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं।

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में

पिघलने की घटनाएं सामने आईं।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह

रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण

सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ

भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक

अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, जैसे राजस्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा

लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।

' क्या आप भौंहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे।

आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है।

फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है?

कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने को लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी।

यदि आप असमंजस में है तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें।

पहले आधे समय में ये अधिक कसरत के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी।

पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है।

लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी।

लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था।

अतीत का झरोखा

21 दलितों-मुस्लिमों का कत्ल, रेप के बाद स्तन काटे,हवा में उछालकर तलवार से बच्चे के 2 टुकड़े किए,आरोपी 53, सजा 0

पटना। बिहार की राजधानी पटना से करीब 90 किलोमीटर दूर भोजपुर जिले का बथानी टोला गांव। साल था 1996 और तारीख 11 जुलाई। दोपहर के 2 बज रहे थे। लुंगी बनियान पहने 60-70 लोग तेज कदमों से गांव की तरफ आ रहे थे। हाथों में बंदूक, कट्टा,

तलवार, गड़ासा, केरोसिन तेल के डिब्बे और लाठी-डंडे थे। वे बार-बार एक नारा लगा रहे थे। नारा क्या था...आगे बताएंगे। कुछ देर में भीड़ गांव पहुंच गई। 50 साल का एक शख्स चीखते हुए बोला- ‘हड़बड़ी मत करो। पहले दो-चार लोग गांव में घूमकर आओ। टोह लो कि वे लोग कर क्या रहे हैं।’ तीन नौजवान दबे पांव गांव में घुसे। कुछ देर बाद लौटकर बोले- ‘सारे मर्द खेतों में काम करने गए हैं। महिलाएं-बच्चे हैं बस। कुछ देर रुकना पड़ेगा, तब तक मर्द आ जाएंगे।’ 30-35 साल का एक शख्स बोल पड़ा- ‘औरत-मर्द से मतलब नहीं है। जो मिले उसे खत्म कर दो। गड़ासे से काट दो। और सुनोष्ठ जो भागेगा उस क्ष्ऱ्र्ड को गोली मार देना।’ अब हमलावर गांव में घुस गए। 4-5 महिलाएं चूड़ी बेचकर लौट रही थीं। घरों के बाहर बच्चे खेल रहे थे। हथियारबंद लोगों को देखकर महिलाएं चिल्लाने लगीं- ‘भागो सब भागो। गांव पे हमला हो गया है।’ जो जहां था, भागने लगा। कोई अनाज की कोठी में छिप गया, तो कोई दीवार फांदकर भाग गया। कुछ लड़के पेड़ पर चढ़कर गए। इधर, हमलावर 10-15 लोगों का गुट बनाकर अलग-अलग घरों में तबाही मचाने लगे। एक घर के बरामदे में तीन मासूम खेल रहे थे। हमलावरों को देखकर वे डर गए। चीखने लगे। हमलावर बोल पड़ा- ‘इन बच्चों से दुश्मनी नहीं है। इन्होंने क्या ही बिगाड़ा है हमारा। छोड़ दो इन्हें।’ दूसरा बोला- ‘किसी छोड़ना नहीं। ये जिंदा बच गए तो नक्सली बनेंगे। कल को हमारे बच्चों को मारेंगे।’ उसने तलवार उठाई और एक बच्चे की गर्दन पर दे मारी। आधी गर्दन कटकर लटक गई। बरामदे में खून बहने लगा। पास खड़े दोनों मासूम चीख उठे- ‘मां... बाबू...भैया को मार दिया।’ हमलावर ने दूसरे बच्चे की टांग पकड़ी और उलटा लटका दिया। बच्चा छटपटाने लगा। जोर-जोर से चीखने लगा। इस उम्मीद में कि शायद कोई बचा ले। पर हमलावर ने जोर से तलवार मार दी। गर्दन कटकर लटक गई। बच्चे को उठाया और उछालकर दूर फेंक दिया। तीसरा मासूम हाथ-पैर जोड़कर जमीन पर बैठ गया। उसे देखकर हमलावर कुछ सोचने लगा। फिर अपने कुर्ते में मुंह का पसीना पोंछा और बच्चे के पेट में तलवार घोंप दी। लंबी चीख के साथ बच्चा शांत हो गया। अब बरामदा खून से रंगीन हो गया था। घर के एक कोने में एक महिला 1 साल के बच्चे को गोद में लेकर छिपी थी। दूसरे कोने में 18-19 साल की लड़की छिपकर बैठी थी। हमलावरों को देखकर दोनों कांपने लगे। हाथ जोड़ लिया, लेकिन हमलावर ने महिला की पीठ पर तलवार मार दी। ‘ओहष्ठ अनर्थ हो गया। ये तो पेट से है।’ यह कहते हुए वह तलवार छोड़कर भाग खड़ा हुआ। तभी दूसरा बोल पड़ा- ‘इर्स्ड्रं बहुत मर्दानगी दिखा रहे हो। इसका बच्चा बड़ा होकर तुम्हारे बेटे को मारेगा।’ उसने तलवार उठाई और महिला के पेट में घोंप दी। मांस का लोथड़ा कटकर लटक गया। महिला तड़प-तड़पकर शांत हो गई। उसका एक साल का बेटा चीख उठा- ‘मांष्ठ मां’ष्ठ। पसीना पोंछते हुए हमलावर बोला- ‘चल तुझे मां के पास पहुंचा देता हूं।’ उसने बच्चे का पैर पकड़ा और हवा में ऊपर उछाल दिया। फिर हवा में ही तलवार से उसके दो टुकड़े कर दिए। मिट्टी की दीवारों पर खून के धब्बे जम गए। रुको...पहले इसकी इज्जत लूट लेने दो- अब हमलावर कोने में छिपी लड़की की ओर बढ़ा और बाल खींचकर उसे जमीन पर पटक दिया। तब तक चार-पांच और हमलावर आ गए। 30-35 साल का एक हमलावर बोला- ‘रुको...इसे अभी नहीं मारना।’ वह महिला को घसीटते हुए एक कोने में ले गया। उसके कपड़े फाड़े और रेप करने लगा। इसके बाद 3-4 और हमलावरों ने लड़की की इज्जत लूटी। फिर उसकी छाती और गर्दन पर तलवार मारकर आगे बढ़ गए। चीख पुकार सुन कई लोग घर से भाग गए थे। हमलावरों को 4-5 घरों में कोई नहीं मिला, तो वे चिढ़ गए। एक अधेड़ बोला- ‘क्ष्ऱ्र्ड सब पता नहीं कहां भाग गए। केरोसिन डालकर आग लगा दो। जो भी छिपा होगा जलकर राख हो जाएगा।’ हमलावर ने वैसा ही किया। गांव में घूम-घूमकर घरों में आग लगाने लगे। कुछ ही देर में चीखने-बिलखने की आवाज गूंजने लगीं- ‘बचाओ, बचाओ।’ पर बचाने कोई आए भी तो कैसे... हमलावरों ने पूरे गांव को घेर रखा था। एक घंटे के भीतर 12-15 घर जल गए। हमलावर आगे बढ़े। गांव में पक्के का इकलौता मकान मारवाड़ी चौधरी का था। हमलावरों ने कई बार दरवाजे पर लात मारी, पर कोई असर नहीं हुआ। गोलियां भी चला दी दरवाजे पर, फिर भी कोई असर नहीं हुआ। तभी एक हमलावर बोला- ‘गोली बर्बाद मत करो, दीवार फांदकर अंदर घूसो।’ 10-15 हमलावर पीछे की दीवार से छत पर चढ़े और फिर आंगन में उतर गए। अलग-अलग कमरों में 10-15 महिलाएं-बच्चे छिपे थे। हमलावर उन्हें घसीटते हुए आंगन में ले आए। लाठी-डंडे से पीटने लगे। पूरा आंगन महिलाओं-बच्चों की चीख से गूंज उठा। कुछ महिलाएं बच्चों के साथ एक के ऊपर एक लेट गईं। उन्हें लगा शायद कोई बच जाए। तभी दो-तीन हमलावर तलवार लेकर आ गए। दनादन वार करने लगे। कुछ ही मिनटों में आंगन में 14 लाशें बिछ गईं। आंगन खून से लाल हो गया। हमलावरों के कपड़े भी खून से भीग गए। इसी बीच एक नौजवान आया और अंधाधुंध फायरिंग करने लगा। बोला- ‘कोई बच गया होगा तो वो भी मारा जाएगा।’ लंबे कद काठी का अधेड़ बोला- ‘सब के सब मर गए। कहां ही कोई बचा होगा। एक काम करो, केरोसिन डालकर आग लगा दो।’ हमलावरों ने मारवाड़ी के घर में आग लगा दी। कुछ देर बाद उन्हें यकीन हो गया कि सब मर गए। फिर वे जयकारा लगाते हुए गांव से चल दिए। आधे घंटे बाद मारवाड़ी चौधरी घर पहुंचे। देखा घर जल चुका था। दरवाजा टूट चुका था। अंदर घुसते ही वो सीने पर हाथ रखकर बैठ गए। सोचने लगे- ‘अब कहां ही कोई बचा होगा।’ फिर भी हिम्मत करके आगे बढ़े, लेकिन आंगन में पैर रखते ही चक्कर खाकर गिर पड़े। होश आया तो देखा अंगन में लाशें बिखरी पड़ी हैं। महिलाओं की, मासूमों की। तीन लाशें तो उनके अपने परिवार की थीं। बेटा, बहू और पोता। सब खत्म। एक-एक करके उन्होंने लाशें हटानी शुरू की। पता चला कि एक महिला जिंदा है। उसकी छाती से खून बह रहा था। हाथ की उंगलियां कट चुकी थीं। मारवाड़ी महिला को जैसे-तैसे उठाकर बाहर लाए। अब तक खेतों में काम कर रहे पुरुष गांव आ गए थे। हर जगह लाशें, खून और घरों से उठ रहे धुएं। ये मंजर जो देखा सिहर गया। कुल 18 लाशें मिलीं। कटी-फटी और अधजली लाशें। तीन लोग जख्मी थे। इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। ये बथानी टोला नरसंहार था, कुल 21 लोग मारे गए। 15 दलित और 6 मुस्लिम। इनमें 11 महिलाएं, 9 बच्चे और 1 पुरुष थे। कहा गया कि ये 1992 में हुए बारा नरसंहार का बदला था, जिसमें 35 भूमिहारों की हत्या कर दी गई थी। नरसंहार के करीब 2 घंटे बाद, शाम करीब 4 बजे का वक्त। पास के सहर थाने को खबर मिली- ‘बथानी टोला में नरसंहार हो गया है।’ एसआई उमेश कुमार सिंह ने आवाज लगाई- ‘जीप निकालो। जल्दी बथानी टोला चलो।’ कुछ ही देर में वे 8-10 पुलिस वालों को लेकर गांव पहुंच गए। सन्नाटा पसरा था। लोग इधर-उधर छिपे हुए थे। 12 घर पूरी तरह जल चुके थे। घरों के बाहर, आंगन में और गलियों में कटी-फटी लाशें पड़ी थीं। गलियां खून से ऐसे सनी थी, जैसे कोई अभी-अभी चटक लाल रंग से होली खेल गया हो। एसआई उमेश कुमार समझ गए कि बड़ा नरसंहार हो गया है। शाम 6.30 बजे सहर थाने के ऑफिस इन चार्ज भी गांव पहुंच गए। देर शाम तक जोनल आईजी, भोजपुर के डीएम और दूसरे अधिकारी भी पहुंच गए। एसआई उमेश कुमार ने आवाज लगाई- ‘कोई जिंदा बचा है क्या? कोई बाहर क्यों नहीं निकल रहा, पुलिस आई है पुलिस।’ थोड़ी देर बाद एक शख्स बाहर निकला। उसके हाथ-पैर कांप रहे थे। एसआई उमेश चौधरी- क्या नाम है? साहबष्ठ किशुन चौधरी एसआई उमेश- पूरी बात बताओ कि हुआ क्या, कौन किया है ये सब? किशुन बिलखते हुए कहने लगा- ‘साहब रणवीर सेना वालों ने पूरे गांव को मार डाला। हर घर में लाश पड़ी है। मेरे परिवार के तीन लोग मार दिए। पत्नी और दो बेटियों को उन लोगों ने तलवार से काट दिया।’ तुमने हमलावरों को देखा था? ‘हां

साहबष्ठ वो रणवीर बाबा की जय के नारे लगा रहे थे। उनके हाथों में हथियार थे। मैं पेड़ पर चढ़ गया था। इसलिए बच गया।’ इस बीच गांव के कुछ लोग और भी वहां आ गए। 40 साल का एक शख्स कहने लगा- ‘साहब मेरे परिवार में कोई जिंदा नहीं बचा है। रणवीर सेना वालों ने 6 लोगों को मार दिया है।’ एसआई उमेश - क्या नाम है तुम्हारा? साहबष्ठ नईमुद्दीन एसआई उमेश - क्या देखा तुमने, पूरी बात बताओ? ‘साहबष्ठमैं बरगद पेड़ के नीचे बैठकर खैनी बना रहा था। चार-पांच लोग भी साथ बैठे थे। हम बातें कर रहे थे। अचानक ‘रणवीर बाबा की जय’ के नारे सुनाई पड़ने लगे। एक ऊंची जगह पर खड़े होकर देखा तो 50-60 लोग बंदूक, तलवार लेकर गांव की तरफ आ रहे थे। हम लोग उठकर घर की तरफ भागे। मैंने जल्दी से महिलाओं और बच्चों को मारवाड़ी चौधरी के घर पहुंचा दिया और खुद भाग गया। मुझे लगा कि रणवीर सेना वाले मर्दों को मारने आए हैं। औरतों और बच्चों को छोड़ देंगे।’ एसआई उमेश - क्यों मारा उन लोगों ने, क्या दुश्मनी थी? मारवाड़ी चौधरी नाम का शख्स बोल पड़ा- ‘साहबष्ठ जमींदारों और मजदूरों के बीच मजदूरी बढ़ाने के लिए विवाद चल रहा था। हम लोग एक दिन की मजदूरी 25 रुपए मांग रहे थे और वे सिर्फ 12 रुपए देने के लिए तैयार थे। इस वजह से 2 साल से दोनों तरफ से लड़ाई चल रही थी। सीपीआई माले वाले हमारी मदद कर रहे थे। जमींदार खून खराबे की धमकी दे रहे थे।’ सो उन्होंने खून कर ही दिया।’ लाशों पर कपड़े तक नहीं डाले, ट्रैक्टर में भरकर ले गए पोस्टमार्टम कराने घटना के दिन ही पुलिस ने 8 लोगों के बयान लिए, लेकिन एफआईआर दर्ज हुई अगले दिन यानी 12 जुलाई की सुबह 4.30 बजे। उसी दिन पुलिस ने एफआईआर सीजेएम कोर्ट भिजवा दी, लेकिन रिपोर्ट पहुंचने में दो दिन लग गए। करीब 12 घंटे तक लाशें गांव में ही पड़ी रहीं। अगले दिन यानी 12 जुलाई को पोस्टमार्टम करने वाली टीम गांव पहुंची। जैसे ही डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम करना शुरू किया, तभी सीपीआई माले के लोगों ने बवाल कर दिया। कुर्ता-पजामा पहने 40 साल का एक शख्स कहने लगा- ‘देखिए प्रशासन की मनमानी नहीं चलेगी। आदमी मर गया इसका मतलब ये नहीं कि उसकी इज्जत नहीं है। पोस्टमार्टम कायदे से होना चाहिए। एक भी लाश का पोस्टमार्टम सड़क पर नहीं होगा।’ एक घंटे तक दोनों तरफ से तकरार होती रही। इसके बाद पुलिस किसी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए राजी हुई। 3-4 ट्रैक्टर बुलाए गए। सभी लाशें ट्रैक्टरों में लादी गईं। फिर आरा के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया। मानवाधिकारों की वकील बेला भाटिया एक आर्टिकल में लिखती हैं- ‘अस्पताल के बाहर कीचड़ वाली जगह में लाशें रखी थीं। किसी भी लाश के ऊपर कपड़ा नहीं डाला गया था। महिलाओं की लाशें भी कवर नहीं की गई थीं। वहां खड़ा एक आदमी तो बोल पड़ा- ‘मरनी के बाद भी गरीबों को इज्जत नहीं मिल रही। किसी को कोई मतलब ही नहीं है।’ बथानी टोला नरसंहार का आरोप रणवीर सेना पर लगा। ये अगड़ी जाति के एक गुट की प्राइवेट आर्मी थी। 1994 में भोजपुर जिले के बेलाउर गांव में इसकी नींव रखी गई। रिटायर्ड फौजियों ने गांव के किसानों और लड़कों को बंदूक चलाने की ट्रेनिंग देकर अपने दस्ते में शामिल किया था। जुलाई 1995 में सरकार ने भले ही इस पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन ये संगठन बंद नहीं हुआ था। सीएम लालू गांव पहुंचे तो नारा लगा- ‘मुख्यमंत्री इस्तीफा दो, वापस जाओ’ नरसंहार के 2 दिन बाद यानी 13 जुलाई को मुख्यमंत्री लालू यादव बथानी टोला पहुंचे। उनके साथ बिहार के डीजीपी भी थे। गांव वालों को पता

चला कि मुख्यमंत्री आए हैं, तो भीड़ ने उन्हें घेर लिया। ‘मुख्यमंत्री इस्तीफा दो, मुख्यमंत्री वापस जाओ’ नारे लगने लगे। मजबूरन लालू को पटना लौटना पड़ा। उसी शाम बिहार सरकार ने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए मुआवजा और गांव वालों को घर बनाने के लिए 20-20 हजार रुपए देने का ऐलान कर दिया। इधर, सरकार लिपापोती करने में जुट गई। 14 जुलाई को 9 पुलिसवाले सस्पेंड कर दिए गए। दरअसल, बथानी टोला से महज एक किलोमीटर की दूरी पर ही पुलिस चौकी थी। आरोप लगा कि फायरिंग और चीख पुकार की गूंज सुनने के बाद भी पुलिस वालों ने हमलावरों को नहीं रोका। हालांकि, इससे सरकार पर दबाव कम नहीं हुआ। बीजेपी और लेफ्ट पार्टियां लगातार प्रोटेस्ट करते रहीं। इसी दौरान 17 जुलाई 1996 को केंद्रीय गृहमंत्री इंद्रजीत गुप्ता भी बथानी टोला पहुंच गए। उन्होंने नरसंहार के लिए बिहार पुलिस को जिम्मेदार ठहरा दिया। सरकार की और भी किरकिरी हुई, क्योंकि केंद्र में भी जनता दल की ही सरकार थी। नरसंहार की जांच अभी चल ही रही थी कि मुख्यमंत्री लालू यादव चारा घोटाले में फंस गए। उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी। केंद्र सरकार की तरफ से इस्तीफे का दबाव बढ़ने लगा। 5 जुलाई 1997 को लालू ने जनता दल से अलग होकर आरजेडी नाम से नई पार्टी बना ली। 25 जुलाई को लालू ने गिरफ्तारी से पहले पत्नी राबड़ी देवी सीएम बनवा दिया। ब्रह्मेश्वर मुखिया जेल में बंद थे, लेकिन पुलिस रिकॉर्ड में फरार- 16 जनवरी

1998, पुलिस ने 62 लोगों के खिलाफ अपहरण, हत्या, आगजनी, एट्रोसिटी एक्ट सहित कई धाराओं में चार्जशीट दायर की। करीब 8 साल तक सरकारी गवाहों की जांच होती रही। कुल 53 आरोपियों का ट्रायल किया गया। बाकी आरोपी या तो मर गए या फरार घोषित कर दिए गए। इन फरार आरोपियों में रणवीर सेना प्रमुख ब्रह्मेश्वर मुखिया भी शामिल थे। हालांकि, वे 2002 से 2011 तक जेल में बंद थे। कुल 16 गवाह बनाए गए। 13 सरकार की तरफ से और 3 आरोपियों की तरफ से। आरोपियों की तरफ से बड़की खड़ांव गांव के थाना प्रभारी और दो चौकीदारों ने भी जिला अदालत में गवाही दी। ये वहीं थाना प्रभारी थे, जिसे नरसंहार के बाद लापरवाही के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया था। 14 साल बाद 3 को फांसी, 20 को उम्रकैद, पर हाईकोर्ट से सब बरी-नरसंहार के करीब 14 साल बाद 5 मई 2010 को भोजपुर जिला अदालत के जज एके श्रीवास्तव ने 53 आरोपियों में से 23 दोषी करार दिया। 3 को फांसी की सजा सुनाई गई और 20 को उम्रकैद। सबूतों की कमी के चलते 30 आरोपी बरी हो गए। 23 दोषियों में से 4 नाबालिग थे। जिन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई, वे थे- अजय सिंह, मनोज सिंह और नरेंद्र सिंह। इस फैसले को दोषियों ने पटना हाईकोर्ट में चैलेंज किया। अप्रैल 2012 में सुनवाई शुरू हुई...बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी- ‘माय लॉर्डष्ठ मेरे मुवक्किल को जानबूझकर फंसाया गया है। पुलिस ने दबाव में आकर बिना जांच-परख के लोगों को गिरफ्तार किया। जैसे कबूतरों को बैठाकर झूंड में गिरफ्तार कर लिया गया हो। जानबूझकर एफआईआर 12 घंटे बाद दर्ज की। ताकि उसे आरोप लगाने और प्लानिंग करने का वक्त मिल सके।’ 16 अप्रैल 2012, पटना हाईकोर्ट में फैसले का दिन। जस्टिस नवनीत प्रसाद सिंह और जस्टिस अश्वनी कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने कहा- ‘पुलिस की जांच रिपोर्ट और चार्जशीट में काफी लूप होल है। चश्मदीदों के पुलिस को दिए बयान और कोर्ट में दिए गए बयान मेल नहीं खा रहे। पुलिस के पास कोई साइंटिफिक एविडेंस नहीं है। कोर्ट सबूतों की कमी के चलते उन 23 लोगों को बरी करता है, जिन्हें निचली अदालत ने सजा सुनाई थी।’ बिहार सरकार ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। लेकिन 13 साल बीत जाने के बाद भी अब तक कोई फैसला नहीं आ सका है। बिहार सरकार ने अपील की थी कि जब तक फैसला नहीं आ जाता, तब तक आरोपियों को बेल नहीं दी जाए, पर कोर्ट नहीं माना। आरजेडी की सीटें घटती गईं, जंगल राज का टैग लगा फरवरी 1998 में लोकसभा चुनाव हुए। तब बिहार में कुल 54 सीटें थीं। इनमें से 20 सीटें बीजेपी को और 17 सीटें आरजेडी को मिलीं। 1999 में फिर से लोकसभा चुनाव हुए। अब तक बथानी टोला नरसंहार के साथ-साथ लक्ष्मणपुर बाथे, शंकर बिगहा और सेनारी जैसे बड़े नरसंहार हो चुके थे। 200 से ज्यादा दलित और सवर्ण मारे जा चुके थे। इसी दौरान पटना हाईकोर्ट ने ‘जंगल राज’ शब्द का इस्तेमाल किया था। बीजेपी और जदयू ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया। इसका असर चुनाव में भी दिखा। आरजेडी महज 7 सीटों पर सिमट गई। जबकि 23 सीटों के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। मार्च 2000 में बिहार में विधानसभा चुनाव हुए। तब बिहार में 324 सीटें थीं। आरजेडी को 124 सीटें मिलीं। यानी बहुमत से 38 कम। आखिरकार कांग्रेस और लेफ्ट के समर्थन से राबड़ी देवी तीसरी बार सीएम बनीं। लेकिन उसके बाद के चुनावों में आरजेडी कभी अपना सीएम नहीं बना पाई। नोट : (यह सच्ची कहानी पुलिस चार्जशीट, कोर्ट जजमेंट, गांव वालों के बयान, अलग-अलग किताबें, अखबार और इंटरनेशल रिपोर्ट्स पर आधारित है। क्रिएटिव लिबर्टी का इस्तेमाल करते हुए इसे कहानी के रूप में लिखा गया है।)

रेफरेंसः- Broken Promises: Caste, Crime and Politics in Bihar : Mrityunjay Sharma

Broken People: Caste Violence Against India's 'untouchables

https://www.jstor.org/stable/23528540

https://www.bhaskar.com/bihar-election/news/bihar-bathani-tola-massacre-history-lalu-prasad-yadav-true-crime-story-mcc-ranveer-sena-135923249.html

https://www.hrw.org/reports/1999/india/India994-06.htm

https://indiankanoon.org/doc/40386142/

देश में भारत-पाक मैच का विरोध,उद्धव समर्थकों ने टीवी तोड़े,पीएम को सिंदूर भेजा, पीड़ित बोले- जिनके हाथ खून से सने, उन्हीं से मैच

नयी दिल्ली। एशिया कप 2025 में आज दुबई में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच पहला इंटरनेशनल मैच है। हालांकि देशभर के क्रिकेट प्रशंसक बंटे हुए हैं। कहीं विरोध हो रहा है, तो कहीं टीम इंडिया की जीत के लिए हवन पूजा की जा रही है। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले और 7 मई को हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पहला मौका है, जब दोनों देशों की क्रिकेट टीमें आमने-सामने होंगी। महाराष्ट्र में शिवसेना उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं ने टीवी तोड़कर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, महिला कार्यकर्ताओं ने पीएम को सिंदूर भेजा, साथ ही बीसीसीआई के लिए चंदा मांगा। पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिजन ने भी भारत-पाक मैच के खिलाफ बयान दिया। कइयों ने कहा-जिनके हाथ खून से सने हैं, हमारा उन्हीं से मैच हो

रहा है। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सरकार से सवाल किया कि क्या मैच से कमाया गया पैसा पहलगाम हमले में मारे गए 26 नागरिकों की जान से ज्यादा कीमती है। सांसद असदुद्दीन ओवैसी- असम और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और सभी से मेरा सवाल है कि क्या आपके पास पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार करने का अधिकार नहीं है। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल - क्लब, पब और रेस्टोरेंट्स मैच न दिखाएं। अगर ऐसा हुआ तो हम प्रदर्शन करेंगे। यह देश के साथ धोखा है। सांसद संजय राऊत- देशभक्त नागरिकों को सोशल मीडिया पर उन रेस्टोरेंट और क्लबों की जानकारी शेयर करनी चाहिए जहां भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच दिखाया जाएगा। दिल्ली के कनॉट प्लेस में भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप मैच के प्रसारण के खिलाफ जोरदार विरोध हो रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोग आरोप लगा रहे हैं कि कुछ व्यापारी अपने फायदे के लिए इस मैच को दिखा रहे हैं, जबकि देश आतंकवाद और सीमा पर शहीदों के मुद्दों से जूझ रहा है। भोपाल में ऑल इंडिया मुस्लिम कमेटी ने दुबई में हो रहे भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध किया। कमेटी के सदस्यों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। कमेटी ने बीसीसीआई पर देश की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। सुरजेवाला बोले- पाक से क्रिकेट खेलना शहीदों का अपमान- हरियाणा के कैथल में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि जिस देश के साथ हमारा विवाद चल रहा हो, उसके साथ क्रिकेट खेलना शहीदों का अपमान है। इस मैच से अमित शाह के बेटे जय शाह और बीसीसीआई पैसा कमा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी- गड़बड़ी मिली तो एसआईआर रद्द करेंगे,बिहार पर जो फैसला देंगे, वही पूरे देश पर लागू होगा,7 अक्टूबर को अगली सुनवाई

पटना। सुप्रीम कोर्ट में आज यानी सोमवार को बिहार में एसआईआर (वोटर वेरिफिकेशन) के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि चुनाव आयोग प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है। नियमों की अनदेखी हो रही है। इस पर कोर्ट ने कहा-‘हम यह मानकर चलेंगे कि चुनाव आयोग अपनी जिम्मेदारियों को जानता है। अगर कोई गड़बड़ी हो रही है, तो हम इसको देखेंगे। अगर बिहार में एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता पाई जाती है, तो पूरी प्रक्रिया को रद्द किया जा सकता है।’ जस्टिस सूर्यकांत शर्मा और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने स्पष्ट किया कि वह बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में राय नहीं दे सकता। उसका अंतिम फैसला केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में एसआईआर पर लागू होगा। मामले पर 7 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। प्रशांत भूषण (एडीआर की ओर

से): चुनाव आयोग अपनी ही प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा, सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन हो रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की सभी जानकारी सार्वजनिक डोमेन में होनी चाहिए। वृंदा ग्रोवर (वोटर ग्रुप्स की ओर से): नागरिकों को ‘गैरकानूनी एसआईआर’ का खामियाजा क्यों भुगतना चाहिए? नियमों और ईसी के मैनुअल का उल्लंघन हो रहा है, केवल 30फीसदी आपत्तियों और दावों की एंट्री अपडेट की गई है। अश्विनी उपाध्याय (याचिकाकर्ता): आधार न तो नागरिकता का प्रमाण है और न ही पहचान का अंतिम दस्तावेज, इसे अन्य 11 दस्तावेजों के बराबर नहीं माना जा सकता। वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी (ईसी की ओर से): आयोग सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन कर रहा है और सभी आपत्तियों पर सुनवाई हो रही है। हर नाम-जोड़ने या हटाने का विवरण सार्वजनिक करने से लोगों की प्राइवेसी प्रभावित होगी। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन (ईसी की ओर से): चुनाव आयोग ने आधार को 12वें पहचान दस्तावेज़ के रूप में शामिल किया है। इसके लिए 10 सितंबर को बैठक भी हुई। जस्टिस सूर्यकांत: मतदाता सूची 1 अक्टूबर को प्रकाशित हो जाएगी, लेकिन कोर्ट की निगरानी में यह प्रक्रिया चल रही है, इसलिए किसी भी गड़बड़ी को सुधारा जाएगा। इससे पहले 8 सितंबर को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, ‘आधार पहचान का प्रमाण पत्र है, नागरिकता का नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया था कि वोटर की पहचान के लिए आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाए। बिहार एसआईआर के लिए फिलहाल 11 निर्धारित दस्तावेज हैं, जिन्हें मतदाताओं को अपने फॉर्म के साथ जमा करना होता है।’ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने ये भी कहा था, ‘आधार कार्ड को लेकर अगर किसी तरह की शंका हो तो आयोग इसकी जांच कराए। कोई भी नहीं चाहता कि चुनाव आयोग अवैध प्रवासियों को मतदाता सूची में शामिल करे।

हरियाणा की एक और एक्ट्रेस का बॉलीवुड में डेब्यू,परिणीति चोपड़ा, जूही के बाद अंबाला की दिविता की मूवी रिलीज; पिता बड़े बिजनेसमैन

मुंबई। बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में एक और हरियाणवी कलाकार ने अपनी चमक बिखेरी है। नाम है दिविता जुनेजा, जिनकी शुक्रवार को ही पहली बॉलीवुड मूवी 'हीर एक्सप्रेस' देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इसमें

वह लीड रोल में हैं। दिविता मूल रूप से हरियाणा के अंबाला की रहने वाली हैं। उनके पिता संजीव जुनेजा बड़े बिजनेसमैन हैं, जिनके कई बिजनेस प्रोडक्ट्स हैं। वर्तमान में उनका परिवार चंडीगढ़ में रहता है। मूवी रिलीज होने के साथ ही दिविता हरियाणा की उन फेमस अभिनेत्रियों में शुमार हो गई हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई है। इनमें जूही चावला, मल्लिका शेरावत, परिणीति चोपड़ा के नाम शामिल हैं। जूही चावला और परिणीति चोपड़ा भी अंबाला की ही रहने वाली हैं। अंबाला में जन्म, चंडीगढ़ से स्कूलिंग, पंजाब से ग्रेजुएशनः दिविता जुनेजा का जन्म और परवरिश अंबाला में हुई। चंडीगढ़ के विवेका हाई स्कूल से 12वीं करने के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन किया। इस दौरान ही उन्होंने रंगमंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए टैगोर थिएटर में होने वाले नाटकों में बतौर कलाकार काम किया। डांस-एक्टिंग का शौक मुंबई तक ले गयाः दिविता को बचपन से ही म्यूजिक, डांस व एक्टिंग का शौक रहा। उम्र बढ़ने के साथ उन्होंने एक्टिंग फील्ड में खुद का मुकाम बनाने का प्रयास शुरू किए। उन्होंने आगे बढ़ते हुए मुंबई में एक्टिंग स्कूल में अभिनय की बारीकियों को सीखा। इसके साथ वह सोशल मीडिया पर शॉर्ट फिल्म्स भी बनाती रहीं। मासूम चेहरे ने दिलाई पहचानः बुआ राधिका चीमा ने बताया कि डायरेक्टर उमेश शुक्ला (ओह माय गॉड, 102 नॉट आउट जैसी फिल्में बना चुके हैं) को नए चेहरे की तलाश थी। दिविता के भोलेपन और सादगी ने उन्हें प्रभावित किया और हीर एक्सप्रेस से बॉलीवुड में पहचान बनाने का मौका दिया। बुआ बताती है कि मां तारा, पिता संजीव जुनेजा और भाई दिव्यम ने दिविता के सपने को साकार करने में हमेशा साथ दिया है। नाम का मतलब सूर्य की पहली किरणः- एक पॉडकास्ट में दिविता से उनके नाम को लेकर सवाल हुआ- क्या यह कैची है, ट्रेंडी या बचपन से सेम था या फिल्मों में आने के बाद बदला? इस पर दिविता ने बताया कि उनके नाम के पीछे एक इंट्रस्टिंग कहानी है। उन्होंने कहा, 'यह नाम बचपन से सेम है। मेरे फादर ने मेरा नाम उस वक्त रखा, जब मैं छह माह की थी। क्योंकि, उन्हें नाम होने की वैल्यू पता थी। उन्हें यह था कि जब भी बेटी अपना नाम ले या सुने तो उसे अच्छा लगना चाहिए।' जब दिविता से इस नाम का अर्थ पूछा गया तो उन्होंने इसका मतलब बताया, 'फर्स्ट रेज ऑफ सन यानि सूर्य की पहली किरण।' वृंदावन में माथा टेककर काम चाहती थीं शुरुआतः हीर एक्सप्रेस रिलीज होने के साथ दिविता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर की। लिखा- मैं भगवान कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए वृंदावन में माथा टेककर इस यात्रा की शुरुआत करना चाहती थी। यह फिल्म पूरी टीम के अपार धैर्य, समर्पण और अनगिनत घंटों की कड़ी मेहनत से बनी है। शूटिंग के पहले दिन से लेकर आज तक। मैं अपने परिवार, अपने गुरुओं और टीम 'हीर एक्सप्रेस' के हर एक व्यक्ति का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने इस सफर को संभव बनाया। आपकी दुआएं और प्यार ही मेरी असली ताकतः- दिविता आगे लिखती हैं कि आज, जब मैं यह कदम उठा रही हूं, तो मैं प्रार्थना करती हूं कि ईश्वर की कृपा और आपके आशीर्वाद से, हीर एक्सप्रेस लोगों के दिलों को छू ले। यह एक साफ-सुथरी पारिवारिक फिल्म है जिसे आप अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर देख सकते हैं। आपकी दुआएं और प्यार ही मेरी असली ताकत हैं। फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्मः हीर एक्सप्रेस एक फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो रेजिलिएंस, प्यार और परिवार के महत्व को दर्शाती है। इस फिल्म का निर्देशन उमेश शुक्ला ने किया है और इसमें दिविता जुनेजा, प्रीत कामनी, आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर और संजय मिश्रा जैसे कलाकार हैं। संगीत तनिष्क बागची का है और गानों को आवाज दी है जावेद अली, असीस कौर, निखिता गांधी और जसबीर जस्सी जैसे लोकप्रिय गायकों ने।पंजाबी लड़की की कहानीः- हीर (दिविता जुनेजा) पंजाब में अपने मामाओं के साथ रहती है और एक दिन लंदन में एक इंडियन रेस्तरां चलाने का मौका मिलता है। लंदन में उसकी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आते हैं और वह अपने परिवार के साथ जुड़ाव की महत्ता को समझती है। हीर एक्सप्रेस की कहानी भारत से लंदन तक फैली है, जिसमें इमोशन, रोमांस और रिश्तों की गर्माहट का शानदार संगम है। फिल्म की शूटिंग लंदन की खूबसूरत लोकेशन्स पर की गई है। अंबाला में पहला शो रहा हाउसफुलः- वहीं, अंबाला शहर के गैलेक्सी मॉल में शुक्रवार शाम को फिल्म दिखाई गई। पहले दिन पहला शो हाउसफुल रहा। इस दौरान खुद दिविता ने भी अंबाला की जनता के साथ गैलेक्सी मॉल में फिल्म देखी और दर्शकों से रिव्यू लिए।

रिपोर्ट्स में दावा कटरीना कैफ बनने वाली हैं मां-अक्टूबर-नवंबर में बच्चा ले सकता है जन्म

मुंबई। बॉलीवुड कपल कटरीना कैफ और विक्की कौशल जल्द माता-पिता बन सकते हैं। हालांकि, कपल

ने अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार कैटरीना कैफ प्रेग्नेंट हैं और बच्चा अक्टूबर-नवंबर में जन्म लेगा।बता दें कि कई महीनों से कटरीना के प्रेग्नेंसी की खबरें चर्चा में रही हैं। कपल इस पर चुप्पी साधे हुए हैं और मीडिया से दूर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि अफवाहों के बाद कटरीना लाइमलाइट से दूर हैं। ऐसा भी बताया गया है कि बच्चा आने के बाद वह लंबा मैटर्निटी ब्रेक लेंगी। सूत्रों के अनुसार, वह अपने बच्चे के साथ समय बिताना चाहती हैं। वहीं, इससे पहले कटरीना के प्रेग्नेंसी अफवाहों पर विक्की कौशल का रिएक्शन भी सामने आया था। जून 2024 में फिल्म 'बैड न्यूज' के ट्रेलर लॉन्च पर उनसे इस बारे में सवाल किया गया था। जिस पर विक्की ने कहा था, 'जहां तक गुड न्यूज की बात है, हम इसे आपके साथ शेयर करेंगे। अभी अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। अभी 'बैड न्यूज' को इंजॉय लीजिए। जब अच्छी खबर आएगी, हम जरूर बताएंगे।' बता दें कि कटरीना और विक्की की शादी 2021 में हुई थी। इस शादी में केवल करीबी लोग शामिल हुए थे। कपल अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें शेयर करते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो विक्की आखिरी बार फिल्म 'छावा' में नजर आए थे।

बिग बॉस 19-फराह खान ने सलमान खान की जगह ली होस्ट की कमान, अक्षय और अरशद ने भी घरवालों से कई दिलचस्प सवाल पूछे

मुंबई। इंडियन रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' एक बार फिर से

चर्चा में है। इस हफ्ते के 'वीकेंड का वार' में सलमान खान की जगह डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान ने होस्टिंग की कमान संभाली। फराह के तेवर और अंदाज ने घरवालों की नींद उड़ा दी। उन्होंने कई कंटेस्टेंट्स को खुलकर फटकार लगाई और उनकी गलतियों पर उन्हें आईना दिखाया। बसीर और नेहल की दोस्ती में आया फासला- इस एपिसोड में बसीर अली और नेहल चुडासमा की दोस्ती में दरार देखने को मिली। बसीर ने वीडियो में कहा, 'मेरी दोस्ती का मीटर अब खत्म हो चुका है,' और इसके बाद उन्होंने नेहल के चेहरे पर रेड इंक लगाकर अपनी दोस्ती खत्म करने का ऐलान कर दिया। यह देखकर बाकी घरवाले भी चौंक गए क्योंकि शो की शुरुआत से ही बसीर और नेहल की दोस्ती काफी मजबूत थी। चाहे टास्क हो या मुश्किल वक्त, बसीर हमेशा नेहल के साथ खड़े नजर आए थे। सलमान खान की अनुपस्थिति में फराह ने बढ़ाया शो का तापमान-इस हफ्ते सलमान खान 'वीकेंड का वार' होस्ट नहीं कर पाए क्योंकि वे अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग में व्यस्त थे। फराह खान ने एपिसोड होस्ट किया और उनका साथ देने के लिए अक्षय कुमार और अरशद वारसी घर में आए थे। दोनों अभिनेता अपनी फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का प्रमोशन करने आए थे। फिल्म प्रमोशन के दौरान अक्षय और अरशद ने घरवालों के साथ खूब हंसी-मजाक किया और कई मजेदार टास्क किए। नीलम ने दिया चौंकाने वाला जवाब- अक्षय और अरशद ने घरवालों से कई दिलचस्प सवाल पूछे। नीलम से पूछा गया कि दूसरों की तारीफ करने पर कौन इनसिक्योर हो जाता है? इस पर नीलम ने कुनिका का नाम लिया। इसके बाद, नीलम से पूछा गया कि कौन घरवालों के बारे में पीठ पीछे बातें करता है, तो नीलम ने तान्या का नाम लिया और कहा कि वह दोनों अच्छी और बुरी बातें करती हैं। फराह खान ने बसीर की आलोचना की-इस हफ्ते के 'वीकेंड का वार' में फराह खान ने बसीर अली को भी आड़े हाथों लिया। बसीर ने कहा था कि वह गलत सीजन में हैं और बाकी सभी कंटेस्टेंट्स उनके मुताबिक बेकार हैं। इस पर फराह ने चिढ़ते हुए कहा कि अगर बसीर को यही सब दिखाना था, तो वह शो में क्यों आए हैं? फराह ने बसीर की टिप्पणी को हल्के में नहीं लिया और उनकी आलोचना की।

पति चाहते हैं कि डिलीवरी के तुरंत बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम हो जाऊं, क्योंकि उन्हें मुझे छूने का मन नहीं करता

नयी दिल्ली। कभी-कभी मुझे लगता है कि ये सब सिर्फ किताबों की बातें हैं कि प्यार शरीर से

नहीं, बल्कि मन से होता है। असलियत तो यही है कि कोई भी सिर्फ मन देखकर प्यार नहीं करता, पहली नजर तो सबकी बस शरीर पर ही जाती है। तभी तो मेरे पति (आशीष), जो कभी मुझसे बेइंतहा प्यार करते थे, आज मेरा प्यार नहीं देख पाते। उनकी नजर अब सिर्फ मेरे बढ़े हुए वजन पर जाती है। जब से बेटी का जन्म हुआ है, हर रोज मुझे यही सुनने को मिलता है की 'कितनी मोटी हो गई हो, कुछ करती क्यों नहीं हो? कमर तो देखो कमरा ही हो गई है। तुम्हें देखकर तो छूने का मन भी नहीं करता।' लेकिन उन्हें कोई कैसे समझाए कि अचानक से वजन कम नहीं हो जाता। इसके लिए समय लगता है। फिर अगर आप तो यह उम्मीद करें कि डिलीवरी के सिर्फ दो महीने बाद ही मैं कैटरीना कैफ जैसी स्लिम दिखने लगूं, तो ये कैसे मुमकिन है? अब कौन सी महिला नहीं चाहती कि वो खूबसूरत और फिट दिखे? लेकिन सच्चाई ये है कि हर चीज हमारे कंट्रोल में नहीं होती, खासकर प्रेग्नेंसी के दौरान। इस फेज में ज्यादातर महिलाओं का वजन बढ़ जाता है। मेरा भी बढ़ गया था। क्योकि गर्भावस्था में शरीर को बच्चे की ग्रोथ और सेहत के लिए अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है। इसके अलावा, अन्य फैक्टर, जैसे हार्मोनल चेजेंस, नींद की कमी और तनाव सहित अन्य फैक्टर भी मेरी समझ में शामिल होते हैं। मैं यह तो बल्कि कुल नहीं कहती कि बच्चे की देखभाल में पिता का कोई रोल नहीं होता, लेकिन सच्चाई यही है कि ज्यादातर काम मां के हिस्से में ही आते हैं। मेरा भी यही हाल है। दिन - रात ब्रेस्टफीडिंग, रात-रात जागकर बच्चे को सुलाना। खाने-पीने का ध्यान नहीं। इन सभी वजहों से मैं खुद पर ध्यान ही नहीं दे पाती। वहीं, अब तो हर तीसरे-चौथे दिन आशीष मुझसे यही कहते हैं की 'कितनी मोटी हो गई हो, जल्दी से वजन कम करो। एक रात की बात है मुझसे कहने लगे की अगर जल्दी से तुम पुरानी वाली अनामिका नहीं बनी तो फिर मेरा अफेयर अगर कहीं और हो जाए, तो मुझसे मत कहना।' फिर तुरंत हंसते हुए जोड़ देते की 'अरे, मैं तो मजाक कर रहा था।' ये सुनते ही मेरे आंसू निकल गए की आखिर आशीष ऐसा कैसे बोल सकते हैं। बाद में उन्होंने मुझसे सॉरी भी कहा। लेक?िन कहते हैं न क? मजाक में ही वह बात कही जाती है, जो इंसान असलयित में कह नहीं पाता, आशीष के साथ भी कुछ ऐसा ही था। खैर जैसे- तैसे वो रात बीती और डेली रूटीन में बीजी हो गई।अब आशीष का हर दिन बस यही कमेंट सुनने को मिलता है कि मैं अच्छी नहीं दिखती, मेरे इतने भारी शरीर में तो उनके अंदर कोई फीलिंग ही नहीं जगती है। दूसरी औरतों को देखो वो मां बनने के बाद भी फिट हैं।आशीष की इस तरह की बातें अब अंदर ही अंदर मुझे तोड़ने लगी हैं। कई बार रातों को नींद तक नहीं आती। बेटी के पास चुपचाप लेटी रहती हूं और उनकी कही हुई बातें सोचकर चुपचाप रो पड़ती हूं। मन में बस यही ख्याल आता है कि जिस आदमी से मैंने सच्चे दिल से प्यार किया था, वही आज मेरे प्रेग्नेंसी के बाद बढ़े हुए वजन को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा, तो ये जिन्दगी भर मेरा क्या साथ निभाएगा ।मैं किस दर्द से गुजर रही हूं यह किसी से साझा नहीं की, लेकिन न जाने कैसे मेरी एक खास सहेली कुछ दिन पहले मुझसे मिलने घर आई और बातों-बातों में ही उसने भांप लिया कि मैं भीतर से परेशान हूं। उसने बार-बार पूछने की कोशिश की, मगर मैंने कुछ नहीं बताया। फिर भी उसने समझाते हुए कहा- 'देखो अनामिका, परेशानी कितनी भी बड़ी क्यों न हो, उसे अपनी सेहत पर हावी मत होने दो।दोस्त ने आगे कहा- अगर अनाम?िका तुम्हारी हेल्थ बिगड़ गई तो उससे बुरा कुछ नहीं होगा। और अपनी बेटी को देखो, उसके लिए तुम्हें मजबूत रहना है।' उसकी यह बात मेरे दिल को छू गई। तभी से मैंने ठान लिया कि अब आशीष की बातों पर सोचकर अपना मन नहीं दुखाऊंगी। उल्टा मैं अपनी बेटी और अपनी सेहत पर ध्यान दूंगी।

हरियाणवी एक्ट्रेस अनिरुद्धाचार्य से बोलीं- लोग मेरे मीम्स बना रहे,कथावाचक बोले- कुत्तों को क्या जवाब देना,भोजपुरी स्टार पवन सिंह ने छुआ था

सोनीपत। भोजपुरी एक्टर और सिंगर पवन सिंह के साथ कमर पर छूने से हुए विवाद के बाद हरियाणवी गानों से पहचान मिलीः ?अनिरुद्धाचार्य के दरबार में अंजलि राघव ने कहा कि गुरुजी मैं

हरियाणवी एक्ट्रेस अंजलि राघव उत्तर प्रदेश के वृंदावन में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य के आश्रम पहुंचीं। उन्होंने अनिरुद्धाचार्य से पूछा कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें बेवजह ट्रोल कर रहे हैं और अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं। ऐसे में क्या करना चाहिए? अंजलि का सवाल सुनने के बाद अनिरुद्धाचार्य ने उन्हें कुत्तों और हाथी की एक कहावत सुनाई। उन्होंने समझाया कि कुत्तों को जवाब देने की जरूरत नहीं है। अनिरुद्धाचार्य ने अंजलि राघव के साथ हुई इस बातचीत का पूरा वीडियो अपने फेसबुक अकाउंट पर शेयर किया है। अंजलि का कहना है कि वह प्रेमानंद महाराज के पास भी गई थीं। उनसे भी ट्रोलिंग को लेकर सवाल किया। इस पर प्रेमानंद महाराज ने कहा था कि लोग हमें ही नहीं छोड़ते। अंजलि बोलीं- कलाकार हूं..हरियाणवी एक्ट्रेस हूं। कई बार क्या होता है कुछ ट्रोलर्स होते हैं। तभी अंजलि को बीच में रोकते हुए अनिरुद्धाचार्य कहते हैं कि आप फिल्मों में भी काम करती हैं? इस पर अंजलि कहती हैं कि मैंने फिल्मों में भी काम किया है, लेकिन मुझे पहचान हरियाणवी गानों से मिली है। पूछा- जवाब देना चाहिए या इग्नोर करेंः अनिरुद्धाचार्य अंजलि से पूछते हैं कि आप गाने गाती हैं? इस पर अंजलि कहती हैं कि नहीं मैं सिर्फ एक्टिंग करती हूं। मेरे कई गाने मिलियन व्यूज में हैं। जब मैं 15 साल की थी, तब से काम कर रही हूं। काफी लोग चाहने वाले भी हैं, लेकिन कई बार क्या होता है कि जलने वाले लोग सोशल मीडिया पर मीम्स मार्केटिंग करवाते हैं। कुछ भी लिखकर डाल देते हैं। मेरा सवाल था कि उन्हें मुड़कर जवाब देना चाहिए या इग्नोर कर देना चाहिए? हाथी-कुत्ते की कहावत सुनाईः अंजलि का सवाल सुनने के बाद अनिरुद्धाचार्य कहते हैं, एक कहावत याद कर लो - 'हाथी चला बाजार, कुत्ते भौंके हजार'। हाथी जब अपनी मस्ती से चलता है ना, तो कुत्ते भौं-भौं करते ही हैं। इसलिए कुत्तों को क्या जवाब देना। कुत्तों को जवाब देने की जरूरत नहीं है। अपनी मस्ती से आगे बढ़ते चलने की जरूरत है। कभी लड़ाई-झगड़े में मत उलझो। कौन मीम्स बना रहा है या कुछ भी कर रहा है, देख तो आपको ही रहा है।लोग बोले बिना नहीं रह सकतेः अंजलि कहती हैं कि मैं यही देखकर शांत हो जाती हूं। कई बार दिल में बहुत बेचैनी सी होती है। इस पर अनिरुद्धाचार्य कहते हैं कि परेशान नहीं होना। आप बस अच्छे काम करते हुए आगे बढ़ते रहिए। लोगों ने माता सीता को बोले बिना नहीं छोड़ा। लोग खाए बिना रह सकते हैं, लेकिन बोले बिना नहीं रह सकते। जब माता सीता को नहीं छोड़ा, तो क्या आपको और मुझे छोड़ देंगे।अंजलि ने बताया कि मैंने अनिरुद्धाचार्य महाराज के गौरी गोपाल आश्रम में 200 बुजुर्ग महिलाओं से मुलाकात की, जहां उनकी सेवा की जाती है और वे सभी वहीं रहती हैं। मैंने अनिरुद्धाचार्य महाराज को बताया कि मैं सीता का किरदार निभाती हूं, लेकिन इसके कोई पैसे नहीं लेती। आपकी बात सुनने के बाद मुझे शांति मिली है। अनिरुद्धाचार्य ने मुझसे सीता का एक डायलॉग बोलने के लिए कहा, जिस पर मैंने सुनाया- 'हे हनुमान, दी शक्ति तुझे, दी बुद्धि तुझे, दी युक्ति तुझे, दी भक्ति तुझे, दी मुक्ति तुझे। आशीर्वाद है मां का तुझे यही। तू रहे अजर अमर बेटा। रघुनाथ तुम्हारे साथ रहे। तू रहे सदा अनुचर बेटा। श्री राम चरित के पन्नों पर नाम तेरा भी महान हुआ। तू भी प्रसिद्ध हनुमान हुआ। अब जहां भी राम मंदिर होगा, वहां राम दुलारा भी होगा। सीता लक्ष्मण के साथ-साथ ये हनुमत प्यारा भी होगा।' अंजलि राघव ने बताया कि 11 सितंबर को मैं वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन करने के लिए गई थी।

एक्ट्रेस के घर फायरिंग, योगी बोले-हमलावरों को पाताल से निकालेंगे,दिशा पाटनी के पिता से फोन पर बात की

बरेली। बरेली में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग के 2 दिन बाद बहन खुशबू पाटनी ने वीडियो जारी किया। इसमें वे सेल्फ-डिफेंस और सुरक्षा के बारे में बता रही हैं। उन्होंने कहा- आज इस 'कलयुग' में कब जानें क्या हो जाए, कुछ पता नहीं। आप पब्लिक फिगर में हों या ना हो। उससे कोई लेना-देना नहीं है। खुशबू ने कहा- अगर आपके पास लाइसेंस गन है, तो ठीक। वरना सेल्फ डिफेंस के लिए कुछ जरूर रखें। क्योंकि, अनहोनी कभी भी हो सकती है। इससे पहले सीएम योगी ने रविवार रात को दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पटानी से फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि आरोपी अगर पाताल में भी छिपे होंगे, तो उनको निकाल लाएंगे। इसके बाद खुशबू पाटनी मोबाइल फोन का डेटा केबल लेती हैं। वह कहती हैं इसे मोबाइल का डेटा केबल बोलते हैं। हमें बेसिकली मोटा तार चाहिए, जो जल्दी ना टूटे। इसके बाद वह 5 नेट लेती हैं। फिर कहती हैं आपको कुछ नहीं करना है, बस इस नेट को डेटा केबल के अंदर डालना है। अगर आपको इसे सामान्य रूप से बैग के अंदर रखना है तो केबल के दोनों छोर पर पांच गांठें बांध दीजिए। ये बहुत ही मजबूत चीज़ है- दिखने में छोटी है लेकिन असर में यह चेहरे के पूरे एरिया को बिगाड़ सकती है।

जहां लगेगा वह चीज टूटे जाएगी, नाक पर लगेगा, जबड़े पर लगेगा तो उसे तोड़ देगा। वह आगे कहती हैं कि अब देखते हैं इसे यूज़ कैसे करना है। सबसे पहले घर पर घुमाने का प्रैक्टिस कीजिए, वरना पहली बार में आपसे नहीं होगा। ऐसा न हो कि उसे मारने के बजाय खुद को मार लें। इस केस में हमें पूरा बॉडी रोटेट करना होती है। इसके अलावा वह कहती हैं-मार्केट से पेपर स्प्रे लेकर बैग में रख सकते हैं। इंडिया में लीगल भी है। आंखों के लिए, मूड शिफ्टर है। हमें लगता है इस काम में सबसे लेथल होता है- इंसान का जीने की आशा। इसके अलावा दुनिया में कुछ भी बिल्कुल लेथल नहीं है। हमेशा अपने पास कुछ न कुछ रखें। अगर मार्केट में पेपर स्प्रे नहीं है तो मुझे बताइए-मैं मार्केट में लॉन्च करती हूं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार देर रात दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पाटनी से फोन पर बातचीत की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने कहा- डरने की जरूरत नहीं है। बदमाश चाहे पाताल में भी क्यों न हों, यूपी पुलिस उन्हें ढूंढ निकालेगी। सरकार आपके साथ है। दिशा पाटनी के पिता रिटायर्ड डीएसपी जगदीश सिंह पाटनी ने सोमवार को दोपहर 12 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोन मेरे पास आया था। उन्होंने पूरे परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही आश्वस्त किया कि पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने विशेष रूप से भरोसा दिलाया कि परिवार की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर कोताही नहीं बरती जाएगी।दिशा पाटनी न्यूयॉर्क में केल्विन क्लेन का स्प्रिंग 2026 कलेक्शन प्रमोट करने पहुंची थीं, जिसे वेरोनिका लिओनी द्वारा डिजाइन किया गया है। एक्ट्रेस ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से रेड कार्पेट का खूबसूरत वीडियो शेयर किया है। अब जानिए पूरा मामला- दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग की प्लानिंग 30 जुलाई से शुरू हो गई थी, उस दिन खुशबू पाटनी ने अनिरुद्धाचार्य के महिलाओं को लेकर दिए एक बयान पर विरोध जताया था। 30 जुलाई को जब खुशबू पाटनी ने अपनी वीडियो शेयर की, तो उस पर काफी विवाद हुआ। वीडियो वायरल होते ही उसे संत प्रेमानंद महाराज के बयान से जोड़कर भी दिखाया गया। इसी बात से नाराज कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने शुक्रवार 11 सितंबर, 2025 की सुबह 3 बजे फायरिंग करके दहशत फैला दी। लोकल बदमाशों से भी पूछताछ बरेली पुलिस लोकल बदमाशों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का मानना है कि एक बदमाश लोकल हो सकता है, जिसे इलाके की पूरी जानकारी थी। जबकि दूसरा बाहर का था। एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में पुलिस टीमें सुराग जुटाने में लगी हैं। एसपी ट्रैफिक मुहम्मद अकमल के नेतृत्व में शहर से लेकर देहात तक के कैमरों की जांच हो रही है। सर्विलांस सेल मोबाइल टॉवर और संदिग्ध नंबरों को ट्रेस कर रही है।जैसे ही बदमाश भागे, कॉलोनी के लोग घरों से बाहर निकल आए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शाम तक बड़ा खुलासा हुआ कि इस फायरिंग की जिम्मेदारी कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा ने ली है। रोहित गोदारा ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि सनातन धर्म और पूजनीय संतों के खिलाफ बोलने वालों का यही अंजाम होगा। उसने चेतावनी दी'ये तो सिर्फ ट्रेलर है, पूरी पिक्चर बाकी है।' कुल मिलाकर मामला अब सनातन बनाम गैंगस्टर की लड़ाई में बदल गया है। इस केस में पुलिस के सामने कुछ चैलेंज भी हैं, मसलन दोनों बार बदमाशों ने हमले के लिए सुबह का वक्त चुना। ये वो वक्त होता है, जब सूरज पूरी तरह से निकला नहीं होता है। ऐसे में अंधेरे में बदमाशों की पहचान करने के लिए पुलिस ने 300 सीसीटीवी चेक किए। मगर कहीं पर भी बदमाशों का चेहरा स्पष्ट नहीं है। कपड़ों का रंग भी ठीक से दिखाई नहीं पड़ रहा है। बदमाशों ने हमले से पहले होमवर्क पूरा किया था। उनका टारगेट किसी को मारना नहीं था, बल्कि दहशत फैलाना था। साथ ही, उन्हें पुलिस की चेकिंग पॉइंट का भी अंदाजा था। दिल्ली-बरेली हाईवे से झुमका चौराहा होते हुए बदमाश शहर के अंदर दाखिल हुए थे। मगर उन्होंने भागने के लिए वही रूट नहीं चुना है। गोली चलाने के बाद वह सिटी स्टेशन रोड होते हुए, किला पुल पर चढ़कर मिनी बाईपास तिराहा क्रॉस करके विलयधाम तक पहुंचे हैं। इन स्पॉट पर सीसीटीवी में बदमाश दिख रहे हैं। इसके बाद वो दोनों बदमाश बाइक से नैनीताल हाईवे पर पहुंचे। इसके बाद वह नहीं दिखे हैं। इसलिए पुलिस 11 और 12 सितंबर को हुए हमलों में 72 घंटे पहले और उतने ही समय बाद तक की फुटेज चेक कर रही है। ताकि और मूवमेंट पकड़े जा सके।फायरिंग करने वाले बदमाशों को पकड़ने के लिए एसएसपी अनुराग आर्य ने 6 टीमों का गठन किया है। इसमें साइबर सेल, सर्विलांस सेल और एसओजी शामिल हैं। एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई है, वहीं एसपी ट्रैफिक मुहम्मद अकमल की अगुआई में एक स्पेशल टीम लगाई गई है। इसके अलावा एसटीएफ से एएसपी अब्दुल कादिर के नेतृत्व में भी एक टीम इस केस पर काम कर रही है। पाटनी परिवार की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। एक स्पेशल टीम एसपी ट्रैफिक के नेतृत्व में शहर के सीसीटीवी कैमरों और आई-ट्रिपल-सी कंट्रोल रूम की फुटेज खंगाल रही है। साइबर सेल को सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी गई है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा- गैंगस्टर गोल्डी बरार ने इस वारदात की जिम्मेदारी ली है। उसकी फेसबुक पर एक पोस्ट वायरल हुई थी, जो फॉरवर्ड होकर पुलिस तक पहुंची। जब अकाउंट ट्रेस किया गया तो वह डिलीट मिला। अब यह जांच की जा रही है कि वह पोस्ट असली थी या फर्जी और किस अकाउंट से डाली गई थी। इस पर भी साइबर सेल काम कर रही है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चायन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।